● वर्ष-3
● अंक-147
रायपुर, रविवार
28 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› कृति स्क्रीन पर रोबोट का....

देश में पहली बार महिला सूबेदार

नई दिल्ली। नारी तू नारायणी, इस जग का आधार जैसी उक्ति को भारतीय सेना चरितार्थ कर रही है। पिछले साल सेना में पहली बार महिलाओं को चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिलने की शुरुआत हुई। इस साल की शुरुआत भी शानदार रही है। सेना को पहली महिला सूबेदार मिली हैं। हवलदार प्रीति रजक का प्रमोशन हुआ है। चैंपियन ट्रैप शूटर प्रीति सूबेदार का पद हासिल करने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। दिसंबर 2022 में भारतीय सेना की सैन्य पुलिस कोर में शामिल हुई प्रीति फिलहाल ओलंपिक में निशानेबाजी की तैयारियों में जुटी हैं। नारी शक्ति का असाधारण शौर्य

प्रीति की प्रोन्नति के बारे में सेना ने शनिवार को बयान जारी किया। सेना ने कहा कि देश की महिलाओं के साथ-साथ पूरी सेना इस फैसले से गौरवान्वित महसूस कर रही है। ट्रैप शूटर हवलदार प्रीति को सूबेदार के रूप में पदोन्नत किया गया है। सेना ने कहा कि प्रीति की यह उपलब्धि नारी शक्ति और उनके असाधारण शौर्य को दिखाती है। प्रीति इससे पहले पहली महिला हवलदार बनने का गौरव भी हासिल कर चुकी हैं। चीन के हांगझू में आयोजित 19वें एशियाई खेलों के दौरान प्रीति रजक ने ट्रैप महिला स्पर्धा में रजत पदक जीता था। सेना के बयान के मुताबिक प्रीति के असाधारण प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें सूबेदार के पद पर आउट ऑफ टर्न पदोन्नति दी गई है। यह फैसला उनकी योग्यता का सम्मान है।

सूबेदार प्रीति रजक ट्रैप महिला स्पर्धा में वर्तमान में पूरे भारत में छठे पायदान पर हैं। पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 की तैयारियों के सिलसिले में प्रीति आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट में प्रशिक्षण ले रही हैं। स

रोहन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

मेलबर्न। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अपने ऑस्ट्रेलियन साथी मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के मेंस डबल्स का खिताब जीत लिया है. रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी को 7-6, 7-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया है. बोपन्ना 43 साल की उम्र में पुरुष टेनिस में ग्रैंडस्लैम चैम्पियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गये. उन्होंने जीन जूलियन रोजर

ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय

का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2022 में मार्सेलो अरेवोला के साथ मिलकर फ्रेंच ओपन पुरुष युगल ट्राफी जीती थी. बोपन्ना ने अपने करियर के अंतिम पड़ाव में पहली बार मेंस डबल्स का खिताब जीता है. रोहन बोपन्ना हाल ही में पुरुष युगल की रैंकिंग में नंबर-एक पायदान पर पहुंचे हैं. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया. रोहन बोपन्ना 43 साल और 329 दिन की आयु में चैंपियन बने हैं. वहीं यह एबडेन का दूसरा पुरुष युगल खिताब है. उन्होंने इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल के साथ 2022 में विंबलडन जीता था. रोहन बोपन्ना ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गये. इससे पहले लिएंडर पेस और महेश भूपति ही भारत के लिए पुरुष टेनिस में मेजर खिताब जीत पाये हैं जबकि सानिया मिर्जा ने महिला टेनिस में यह उपलब्धि हासिल की है.

बिहार की राजनीतिक उठापटक पर भाजपा बोली

हमारी कोई भूमिका नहीं, जदयू-राजद के बीच अप्राकृतिक गठबंधन

पटना। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच भाजपा ने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार एक बार फिर से पाला बदल सकते हैं। माना जा रहा है कि वह एक बार फिर से भाजपा के साथ सरकार बना सकते हैं। इन सबके बीच

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह गठबंधन अप्राकृतिक है... जो चीज अप्राकृतिक है वह लंबे समय तक टिक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि इस अप्राकृतिक गठबंधन की स्वत- ही स्वाभाविक मृत्यु हो जाएगी। बिहार में जो कुछ भी हो रहा है, उसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है, जो मतभेद हो रहे हैं, वह उन्हीं की वजह से है। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि कुछ सबसे भ्रष्ट पार्टियां इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। नीतीश कुमार अब उनके साथ नहीं रहना चाहते। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि हम बैठक में शामिल होने जा रहे हैं और पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे...पार्टी बिहार के हित के अनुसार निर्णय लेगी। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, राहुल गांधी ममता बनर्जी की इतनी तारीफ करते हैं उसके बाद भी मल्लिकार्जुन खरगे को सुरक्षित मार्ग को लेकर पत्र लिखना पड़ रहा है। वे किस चीज़ को लेकर डर रहे हैं?... दिल्ली जाकर ये लोग हाथ मिलाकर दिखाते हैं कि ये दोस्त हैं लेकिन असल में सब अपना-अपना एजेंडा लेकर चल रहे हैं... दूसरी ओर राजद और जदयू में बयानबाजी शुरू हो गई है। जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि राजद नेतृत्व बेचैन है... वे अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं, वे इसपर रोक लगाएं वर्ना राजनीति में इसका अंजाम बेहतर नहीं होगा।

नीतीश कुमार रविवार को दे सकते हैं इस्तीफा

बिहार में सियासी समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं. इस बीच सूत्रों के हवाले से जानकारी मिल रही है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पद से इस्तीफा दे सकते हैं. जनता दल युनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी की अटकलों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के साथ देखा गया. नीतीश कुमार बक्सर के ब्रह्मपुर में दूसरे चरण के विकास कार्यों का शिलान्यास करने श्री बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ धाम पहुंचे थे. सीएम नीतीश कुमार के साथ ब्रह्मेश्वरनाथ धाम का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा, भगवान की जो इच्छा होगी, वही होगा... पहली बार मैं ही उन्हें (नीतीश कुमार) को यहां लाया था और आज भी मैं उसे ले आया हूं. एक ओर नीतीश कुमार भाजपा के केंद्रीय मंत्री के साथ मंच साझा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी सांसद और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय पटना में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में पहुंचे.

ज्ञानवापी को अदालत ही निकालेगी समाधान

बीजेपी-संघ ने बदला स्टैंड या तैयार कर ली गई 2027 के जीत की पटकथा?

वाराणसी। ज्ञानवापी में हुए एएसआई के सर्वे के दौरान मंदिर या मस्जिद के सच को सामने लाने में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार (जीपीआर) तकनीक काफी अहम साबित हुई। मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर होने के पुख्ता सबूत इसी तकनीक के जरिए सामने आए हैं। सर्वे में मिली मूर्तियां, खंडित धार्मिक चिह्न, सजावटी ईंटे, दैवीय युगल, चौखट के अवशेष सहित अन्य 250 सामग्रियां को प्रमाण के रूप में एएसआई ने जिलाधिकारी की सुपुर्दगी में कोषागार में जमा कराया है। यह सामग्रियां हिंदू पक्ष के लिए अहम प्रमाण है। विपक्ष ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट के मामले पर चुप्पी बनाए रखी है। आरएसएस और भाजपा ने संकेत दिया कि उन्हें इसमें शामिल होने की कोई जल्दी नहीं है। इस मामले पर अदालतों की पहल का इंतजार किया जाएगा।

क्या कहती है 839 पेज की वैज्ञानिक सर्वे रिपोर्ट

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मामले की सुनवाई कर रही वाराणसी जिला अदालत को सौंपी गई एएसआई रिपोर्ट मामले में याचिकाकर्ताओं को सौंप दी गई। रिपोर्ट के अनुसार,मौजूदा ढांचे के निर्माण से पहले वहां एक बड़ा हिंदू मंदिर मौजूद था। इसके कुछ हिस्सों का पुन- उपयोग किया गया था। एएसआई ने 839 पेज की वैज्ञानिक सर्वे रिपोर्ट में कहा है कि ज्ञानवापी परिसर में मौजूद ढांचा (मस्जिद) से पहले वहां हिंदू मंदिर था। आर्किटेक्ट, स्ट्रक्चर, बनावट और वर्तमान ढांचा स्पष्ट तौर पर हिंदू मंदिर का भग्नावशेष है। एक अवशेष ऐसा मिला है, जिस पर तीन अलग-अलग भाषाओं में श्लोकों के साथ जनार्दन, रुद्र और उमेश्वर के नाम लिखे हैं। एक ऐसा स्थान भी मिला है जहां महामुक्ति मंडप लिखा है। सर्वे में 34 अवशेष और भग्नावेष और 32 ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो पूरी तरह दावा कर रहे हैं कि

मस्जिद से पहले हिंदू मंदिर था और वर्तमान ढांचा यानी मस्जिद 17 वीं शताब्दी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो पहले स्ट्रक्चर (हिंदू मंदिर) था, उसे 17वीं शताब्दी में तोड़े जाने के बाद उसके पिलर और अन्य सामग्री का इस्तेमाल मस्जिद वनाने में किया गया।

समाज स्वयं सक्रिय है तो संघ को कुछ करने की क्या जरूरत?

इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर, आरएसएस के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि 1980 के दशक में संघ को अयोध्या राम मंदिर को एक सक्रिय मुद्दे के रूप में लेना था ताकि लोगों तक पहुंच सके और हमारी चिंताओं को मुख्यधारा में लाया जा सके। उस समय समाज आज की तरह इन चिंताओं के प्रति जागरूक नहीं था। अब, यह समाज ही है जिसने इन सभी सांस्कृतिक चिंताओं को सामूहिक चिंताओं के रूप में लिया है। जब समाज स्वयं सक्रिय है तो संघ को कुछ करने की क्या जरूरत है? अब लोग खुद मामले दर्ज करा रहे हैं और इन मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा भी कर रहे हैं। आरएसएस के एक अंदरूनी सूत्र ने भी यही तर्क देते हुए कहा कि अदालत ने एएसआई से अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट देने को कहा और उसने ऐसा किया है। इस बारे में हमें कुछ खास करने की जरूरत महसूस नहीं होती। समाज में लोगों के बीच चर्चा होगी। ये मामले केवल हमारे नहीं हैं, यह बड़े पैमाने पर समाज का मामला है, और इसने कुछ दिन पहले अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बहुत उत्साह दिखाया था। लोगों को मुद्दों पर चर्चा करने दें और अदालतों को उनका काम करने दें।

अदालत निकालेगी समाधान

बीजेपी के एक सूत्र ने भी लगभग यही बात कही। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी का कहना है कि मुझे नहीं लगता कि हम इस पर बहुत कुछ करने जा रहे हैं। एएसआई रिपोर्ट ने वही कहा है जो उसने कहा है। अदालतें इस मामले को देखेंगी और अंतत: समाधान निकालेंगी, जैसा कि उन्होंने राम जन्मभूमि के मामले में किया था। उत्तर प्रदेश के एक आरएसएस नेता ने तर्क दिया कि संघ परिवार का उद्देश्य समाज को संघ की तरह सोचने वाला बनाना था। धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर सामाजिक चर्चाएँ पहले से ही हो रही हैं। वाराणसी से प्रतिदिन 5,000 बसें अयोध्या के लिए चल रही हैं और सभी सीटें बिक रही हैं। जब समाज स्वयं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के मामलों में बहुत रुचि दिखा रहा है तो हमें कुछ अतिरिक्त करने की क्या आवश्यकता है?

हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं देखें...

यह तर्क 2022 में आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के उस बयान के अनुरूप प्रतीत होता है जिसमें उन्होंने कहा था कि संघ राम जन्मभूमि जैसे अन्य विवादों में कोई आंदोलन शुरू करने के बारे में नहीं सोच रहा है। साथ ही यह भी कहा कि हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखे। आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि मध्यकाल में धार्मिक स्थलों पर आक्रमण और विनाश हुआ था।

प्रमुख समाचार

केरल के राज्यपाल को 'जेड प्लस' सुरक्षा दी

नई दिल्ली। केरल में एक नाटकीय घटनाक्रम में शनिवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को 'स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा और इसके बाद राज्यपाल अपनी कार से उतर कर सड़क किनारे बैठ गये और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर निशाना साधा। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यपाल की सुरक्षा बढ़ाकर 'जेड प्लस' श्रेणी कर दी। स्पष्ट रूप से नाराज दिख रहे खान ने मुख्यमंत्री विजयन पर ''राज्य में अराजकता को बढ़ावा देने'' का आरोप लगाया। राज्यपाल खान कोल्लम जिले के निलामेल में शनिवार को उनके खिलाफ एसएफआई के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन करने पर अपने वाहन से बाहर निकले और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क किनारे बैठ गए। भाजपा ने जहां खान का समर्थन किया तो वहीं दूसरी ओर राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने कहा कि देश के किसी भी राज्य के राज्यपाल ने इस तरह का व्यवहार नहीं किया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने कहा कि यह सब राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच जारी राजनीतिक नाटक का हिस्सा है।

कांग्रेसी अपने धर्म और आस्था के पालन के लिए स्वतंत्र-थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि अयोध्या में राम मंदिर में

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान विपक्षी नेताओं की मौजूदगी उन नेताओं को उस भूमिका में ला देती जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहायक की भूमिका में नजर आते। थरूर ने संबंधित समारोह को भी मोदी का बताया है। उन्होंने 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल न होने के कांग्रेस नेतृत्व के फैसले का समर्थन करते हुए आम चुनाव खत्म होने के बाद वहां जाने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि तब तक मंदिर की ओर से राजनीतिक ध्यान हट जाएगा। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा, ''कांग्रेस की स्थिति बहुत स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी के सदस्य अपने धर्म और आस्था के पालन के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी सभी के धर्म का सम्मान करती है। इसलिए मैं मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए जाता हूं, न कि राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह विशेष कार्यक्रम अनिवार्य रूप से आमंत्रित विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री अभिनीत तमाशे के लिए एक तरह की सहायक भूमिका में धकेलने वाला था। मैंने नहीं सोचता कि कांग्रेस को ऐसी सहायक भूमिका निभाने की जरूरत है।''

इंडिया' गठबंधन को एकजुट रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस जाने की संभावना के बीच शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी को उम्मीद है कि जो लोग देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने की इरादा रखते हैं, वे निश्चित रूप से जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को एकजुट रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जद (यू) नेतृत्व के मन में क्या है। जद(यू) के 'इंडिया' गठबंधन से बाहर जाने की संभावना पर एक सवाल के जवाब में खरगे ने कहा, ''क्या वे बाहर जा रहे हैं? मुझे अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। मैंने उनके नेतृत्व को एक पत्र लिखा है और उनसे बात करने की कोशिश की है। मैं स्पष्ट रूप से नहीं जानता कि उनके मन में क्या है।'' इस बात के पुख्ता संकेत हैं कि जद (यू) प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में सत्तारूढ़ 'महागठबंधन' से अलग होने और फिर से भाजपा नीत राजग में शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

जरांगे ने भूख हड़ताल समाप्त की, सरकार ने मांगे स्वीकारी

मुंबई। मराठा समुदाय के लोगों के आरक्षण के लिए आंदोलनरत कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगें महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद उन्होंने शनिवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त कर दी। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की कि मराठा समुदाय को जब तक आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को दिए जाने वाले सभी लाभ दिए जाएंगे। महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर मराठा समुदाय के सदस्यों के उन सभी सगे-संबंधियों को कुनबी के रूप में मान्यता दे दी है, जिनके कुनबी जाति से संबंध होने के रिकॉर्ड मिले हैं। कुनबी एक कृषक समुदाय है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आता है। मराठा समुदाय के आरक्षण को लेकर आंदोलन का नेतृत्व करने वाले कार्यकर्ता मनोज जरांगे समुदाय के सभी लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग कर रहे हैं। इस बीच महाराष्ट्र के छगन भुजबल ने मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाली अपनी ही सरकार पर निशाना साधा और ओबीसी समुदाय में मराठों के पिछले दरवाजे से प्रवेश देने पर सवाल उठाया।

हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही महिलाएः मोदी

नई दिल्ली। एनसीसी कैडेट्स ने करियप्पा परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में प्रदर्शन किया। वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में मोदी एनसीसी कैडेटों को पुरस्कार और पदक प्रदान बी किया। इस दौरान उन्होंने अपना संबोधन भी दिया। उन्होंने कहा कि एक पूर्व एनसीसी कैडेट होने के नाते, जब भी मैं आपको संबोधित करने आता हूं, मुझे अपने अनुभवों और यादों के फ्लैशबैक मिलते हैं। एनसीसी कैडेट एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक हैं। आप सभी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों से यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि पिछले वर्षों में एनसीसी रैलियों का कद भी बढ़ा है। मोदी ने कहा कि एनसीसी की ये रैली एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य की भावना को निरंतर मजबूत कर रही है। 2014 में इस रैली में 10 देशों के कैडेट्स ने हिस्सा लिया था, आज यहां 24 मित्र देशों के कैडेट्स मौजूद हैं। मैं आप सभी का यहां अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि हमने कल कर्तव्य पथ पर देखा कि इस बार का आयोजन नारीशक्ति के लिए समर्पित रहा।

लोस चुनावः राम लहर के सहारे मोदी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ सकेंगे?

अजय बोकिल

अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह, करोड़ों हिंदुओं की इससे जुड़ी आस्था और इस महा आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर केन्द्रित फोकस के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल तेजी से तैर रहा है कि दो माह बाद होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव पर इसका कितना असर होगा।

क्या राम भक्ति में बहा बहुसंख्यक हिंदू समाज अपनी भाव विह्वलता को मोदी के पक्ष में वोटों में बदलेगा, बदलेगा तो कितना बदलेगा, क्या मोदी की अगुवाई और रघुराई की कृपा से मोदी 1957 के लोकसभा में कांग्रेस की विजय का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 371 सीटें जीती थीं और 47.8 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि कांग्रेस की विराट जीत 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए लोकसभा चुनाव में हुई थी, जब कांग्रेस ने 414 सीटें और 46.86 फीसदी वोट हासिल किए थे।

हालांकि, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भी 2019 के लोकसभा चुनाव में 303 सीटों के साथ अब तक की सर्वश्रेष्ठ जीत हासिल की थी। पार्टी का वोट शेयर भी बढ़कर 37-36 37-36 हो गया था। अब सवाल पूछा जा रहा है कि राम मंदिर इस वोट बैंक में कितना और जोड़ेगा? या भाजपा पिछले चुनाव के नतीजों तक भी नहीं पहुंच पाएगी, क्योंकि लड़खड़ाते ही सही इंडिया गठबंधन के रूप में कुछ विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव को 'वन ऑन वन' बनाने की कोशिश में लगी हैं। हालांकि, यह गठबंधन चुनाव तक टिकेगा, इसकी संभावना कम ही लगती है। दूसरे, राम मंदिर को लेकर उठा आस्था का सैलाब कुछ दिन बाद बैठने लगेगा, जमीनी मुद्दे फिर हावी होंगे। बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसे मुद्दे अगले चुनाव में फिर उभरेंगे, चुनावों पर इनका असर जरूर होगा। तीसरा, एक हद तक यह मुकाबला दो यात्रियों के बीच भी है। पहले तो खुद मोदी हैं, जो देश में जगह-जगह रोड शो कर रहे हैं। दक्षिण में उनकी स्वीकृति पहले की तुलना में बढ़ी है। अब राम मंदिर इसमें कितना इजाफा करेगा, यह देखने की बात है। लेकिन इतना तय है कि राम मंदिर की जानकारी दक्षिण में भी गांव गांव तक है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की डिजाइनिंग, टाइमिंग और प्रस्तुति इस अंदाज में की गई थी, जिसका धार्मिक के साथ साथ राजनीतिक असर भी पड़े।

इसमें कोई शक नहीं कि राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से देश के बहुसंख्यक हिंदू गदगद हैं तो अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों में आशंकाएं बढ़ी हैं। राम मंदिर का असर यूपी और कुछ उत्तर पश्चिमी राज्यों में हो सकता है। लेकिन दक्षिण में भी वैसी ही लहर चले, जरूरी नहीं है। हालांकि, राम मंदिर बनने से मोदी की लोकप्रियता में कई गुना वृद्धि हुई है और दक्षिण में भी उनके प्रति लोगों में उत्सुकता बढ़ी है। यह वोटों में कितनी बदलेगी, यह देखने की बात है। लेकिन ऐसा लगता है कि तमिलनाडु और केरल जहां भाजपा का वजूद नहीं के बराबर है, राम मंदिर मुद्दा पार्टी को चौंकाने वाली सफलता दिला सकता है। दरअसल राम मंदिर उद्घाटन के ठीक छह महीने पहले जिस तरह से तमिलनाडु में सनातन धर्म पर सुविचारित हमला किया गया था, राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रर्तिष्ठा उसी का जबर्दस्त जवाब है। सनातन धर्म के नाश का आह्वान करने वाले तमिलनाडु के खेल मंत्री और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने अब यह कहना शुरू कर दिया है कि वो राम मंदिर के खिलाफ नहीं है बल्कि किसी मस्जिद को गिराकर मंदिर बनाने के विरोध में है। यानी राम मंदिर का असर वहां भी हो रहा है। पार्टी लाइन से हटकर मोदी की अपनी पर्सनल फालोइंग भी जबर्दस्त है, जो एक दमदार हिंदू नेता की है। वो राम मंदिर के बहाने हिंदू वोटों पर अपनी पकड़ कमजोर शायद ही होने दें। दूसरे यात्री कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हैं, जो दो हफ्ते से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हैं। वो मोदी पर खुलकर हमले कर रहे हैं और भारत की जनता को सौहार्द और न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं।

इस यात्रा की वोटों में तब्दीली कितनी होगी, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि वक्त राहुल को चुनाव के पहले की राजनीतिक लामबंदी में व्यस्त होना चाहिए था, वो न्याय यात्रा में मगन हैं। वैसे भी यह यात्रा जल्दबाजी में निकाली जा रही है। इसका वैसा असर नहीं दिख रहा, जैसा कि पिछली भारत जोड़ो यात्रा का था। हालांकि, इस बार राहुल ने अपने जुमले भी बदल दिए हैं। वो अब 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' या फिर अडाणी पर आरोपों से बच रहे हैं। यहां दिलचस्प बात यह है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू का बाह्य स्वरूप जो भी हो, उसका निहित उद्देश्य स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। इन्हीं दो अभियानों का मुकाबला भी आगामी लोकसभा चुनावों में होना तय है। जाहिर है कि अब नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी दोनों के सामने अपने चुनावी रिकार्डों को तोड़ने की बड़ी चुनौती है। मोदी के सामने चुनौती तीसरी बार भाजपा और एनडीए रिकॉर्ड जीत से सत्ता में लाना तो राहुल के समक्ष चुनौती कांग्रेस को संसद में अधिकृत विपक्ष का दर्जा दिलाने की है। 2019 में कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं। इस बार वह इंडिया गठबंधन के माध्यम से सत्ता प्राप्ति पहुंचने का सपना पाले हुए हैं, लेकिन जिस तरह से गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच जीतने की जिद से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर लड़ने के लिए घमासान मचा है, उससे नहीं लगता गठबंधन डेढ़ सौ सीटों से ज्यादा ला पाएगा। इसका कारण चुनावों लेकर मोदी और भाजपा तथा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के एप्रोच में भी साफ दिखाई देता है।

सुरक्षा बल के जवानों ने नक्सल स्मारक के सामने फहराया तिरंगा

बीजापुर। जिले के मुतवेण्डी गांव में हुई मुठभेड़ के दौरान क्रॉस फायरिंग में एक दुधमुंही बच्ची मंगली की मौत हो गई थी। नक्सल प्रभावित इसी ग्राम मूतवेंदी के अंदरूनी इलाके में 26 जनवरी को सुरक्षा बल के जवानों ने नक्सल स्मारक के सामने तिरंगा फहराया। इस ध्वजारोहण में स्थानीय बच्चे और ग्रामीण भी शामिल होकर भारत माता की जय के नारे लगाकर तिरंगे का सम्मान किया। शनिवार को इसका विडियो सोशल मीडिया में जारी किया गया है। यह ज्ञात नही हुआ है कि सुरक्षा बल के जवानों ने नक्सल स्मारक को ध्वस्त किया या नही।

उल्लेखनीय है कि जिले के मुतवेण्डी गांव में हुई मुठभेड़ के दौरान क्रॉस फायरिंग में एक दुधमुंही बच्ची की मौत हो गई थी। छह माह की मंगली की मौत किसकी गोली से हुई सहित अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर मूलवासी मंच के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण 17 जनवरी को जिला मुख्यालय के लिए निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोककर ग्राम गोरना में प्रशासन के अधिकारी ने ज्ञापन लिया। इस घटना में मृत बच्ची की मां मासे सोढ़ी के साथ ही ग्रामीणों का कहना था कि घटना के वक्त गांव में नक्सलियों की मौजूदगी नहीं थी। पुलिस ने एकतरफा गोलीबारी कर रही थी, पुलिस के इसी गोलीबारी में दुधमुंही बच्ची की मौत हो गई थी।

वहीं इस मामले पर एक जनवरी 2024 को पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी थी कि गंगालूर थानाक्षेत्र के मुदवेंडी गांव में एरिया डॉमिनेशन के लिए सुरक्षाबल के जवान निकले हुए थे। इसी दौरान आईईडी विस्फोट के कारण 2 जवान जख्मी हो गए थे। इसके बाद गांव में ही पुलिस और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हुआ था। इस एनकाउंटर में क्रॉस फायरिंग में एक दुधमुंही बच्ची की मौत हो गई थी, जबकि उसकी मां इस घटना में जख्मी हो गई थी। वहीं नक्सलियों ने पुलिस के इन दावों का खण्डन करते हुए प्रेस नोट जारी कर पुलिस पर गांव में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर 6 माह की मंगली सोढ़ी की हत्या और उसकी मां को जख्मी करने का आरोप लगाया था।

सारकेगुड़ा-कोरसागुड़ा के जंगल से नक्सली डीएकेएमएस अध्यक्ष गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 एवं केरिपु 168 वाहिनी सी समवाय की संयुक्त टीम ग्राम सारकेगुड़ा, कोरसागुड़ा की ओर सर्चिंग अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान सारकेगुड़ा, कोरसागुड़ा के जंगल से 1 नक्सली डीएकेएमएस अध्यक्ष ताती मासा पिता पाण्डू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 थैला में प्रतिबंधित नक्सली संगठन के प्रचार-प्रसार की सामग्री पाम्पलेट एवं बैनर बरामद किया गया। गिरफ्तार नक्सली डीएकेएमएस अध्यक्ष ताती मासा के विरूद्ध थाना बासागुड़ा में कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर में समक्ष पेश किया गया।

प्रदेश से दौड़ेगी आस्था स्पेशल ट्रेनें, अयोध्या पहुंचकर भक्त रामलला के करेंगे दर्शन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन से अयोध्या के लिए 6 आस्था स्पेशल ट्रेनें चलेगी। गोंदिया से पहली ट्रेन 31 जनवरी को रवाना होगी। ये 6 ट्रेनें गोंदिया के अलावा दुर्ग, रायपुर और अनूपपुर रेलवे स्टेशन से चलेंगी। रेलवे के जोनल मुख्यालय बिलासपुर से इस ट्रेन की सुविधा 18 फरवरी को मिलेगी। वहीं 7 और 28 फरवरी को 08201 नंबर के साथ आस्था स्पेशल ट्रेन दुर्ग से रवाना होगी।

बता दें कि, आस्था स्पेशल ट्रेन राज्य सरकार चला रही है, ताकि भक्त अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर सकें। हालांकि, इस ट्रेन की टिकट और कैटरिंग की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी को दी गई है। टिकट की बुकिंग आने-जाने दोनों की होगी। इसलिए यहां से छूटने वाली ट्रेनों के साथ वापसी की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो।

आस्था स्पेशल ट्रेन के लिए रेलवे ने शेड्यूल जारी किया है, जिसके मुताबिक गोंदिया से 31 जनवरी और 25 फरवरी को यह ट्रेन रवाना होगी, जो गोंदिया से 10:05 बजे छूटकर 11:01 बजे डोंगरगढ़, 11:25 बजे राजनांदगांव, 12:10 बजे दुर्ग, 13:00 बजे रायपुर, भाटापारा 15:25 बजे, उसलापुर रेलवे

स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी और प्रयागराज जैसे प्रमुख स्टेशनों में स्टॉपेज दिया गया है। यह ट्रेन 10:25 बजे अयोध्या पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दो फरवरी और 27 फरवरी को अयोध्याधाम से छूटेगी।

7 और 28 फरवरी को 08201 नंबर के साथ आस्था स्पेशल ट्रेन दुर्ग से रवाना होगी। यह ट्रेन दुर्ग रेलवे स्टेशन से 12:20 बजे छूटकर 15:25 बजे उसलापुर, 16:48 बजे पेंड्रारोड, 17:35 बजे अनूपपुर और शहडोल, उमरिया समेत कुछ और प्रमुख रेलवे स्टेशनों में ठहरते हुए 10:35 बजे अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 9 फरवरी और 1 मार्च को अयोध्या से दुर्ग के लिए रवाना होगी। आस्था स्पेशल ट्रेन रायपुर रेलवे स्टेशन से 08203 नंबर के साथ 13:00 बजे रवाना होगी, और 15:25 बजे उसलापुर, 16:48 बजे पेंड्रारोड, 8:59 बजे सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन होते हुए 10:35 बजे अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में 16 फरवरी को अयोध्या से रायपुर के लिए रवाना होगी। आस्था स्पेशल ट्रेन स्टेशन से 08207 नंबर के साथ 15:05 बजे बिलासपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी, जो 15:25 बजे उसलापुर, 16:48 बजे पेंड्रारोड, 17:35 बजे अनूपपुर रेलवे स्टेशन के बाद अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 10:35 बजे अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। 20 फरवरी को ट्रेन अयोध्याधाम से बिलासपुर के लिए रवाना होगी।

अनूपपुर रेलवे स्टेशन से 08211 नंबर के साथ एक और आस्था स्पेशल ट्रेन 17:40 बजे निकलेगी, जो 18:20 बजे शहडोल, 19:42 बजे उमरिया और सुल्तानपुर होते हुए 10:35 बजे अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में अयोध्यायधाम से यह ट्रेन 23 फरवरी को छूटेगी। द्वारिकाधाम जाने वाले भक्तों बिलासपुर से ही सीधी ट्रेन की सुविधा मिलेगी। रेलवे ने ट्रेन नंबर 22939/22940 बिलासपुर-हापा साप्ताहिक एक्सप्रेस का ओखा स्टेशन तक विस्तार कर दिया है। रेल यात्रियों को यह सुविधा बिलासपुर से 29 जनवरी और ओखा से 27 जनवरी से मिलेगी।

नक्सल विरोधी अभियान में पुलिसकर्मियों को मिलेगा वीरता पुरस्कार

बीजापुर। बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस व वीरता का परिचय देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 अधिकारी-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस के मौके पर पुलिस वीरता पदक से पुरस्कृत किये जाने की उद्घोषणा की गई है।

तीन अप्रैल 2021 को तर्रेम थाना क्षेत्र के टेकलुगुडेम जोनागुड़ा के जंगल मे हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ में एक वर्दीधारी महिला नक्सली सोढ़ी दुले उर्फ ओड़ी सन्नी पीएलजीए बटालियन नंबर-1 में कंपनी नंबर-1 सदस्या को मार गिराने व इंसास रायफल और मैगजीन, 26 जिंदा कारतूस व विस्फोटक सामग्री बरामद करने में सफलता मिली थी।

इस घटना में उत्कृष्ट कार्य के लिए उपनिरीक्षक संजय पाल, उपनिरीक्षक धरम सिंह तुलावी, उपनिरीक्षक वीरेंद्र कंवर, उपनिरीक्षक पतिराम पोडियामी, प्लाटून कमाण्डर दिलीप कुमार वासनिक, प्रधान आरक्षक रमेश जुर्री (मरणोपरांत) आरक्षक रमेश कोरसा (मरणोपरांत) आरक्षक सुभाष नायक(मरणोपरांत) आरक्षक रामदास कोर्राम (मरणोपरांत), आरक्षक जगतराम कंवर (मरणोपरांत), आरक्षक सुखसिंह (मरणोपरांत), आरक्षक रामशंकर सिंह (मरणोपरांत), आरक्षक शंकर नाग (मरणोपरांत), सहायक आरक्षक किशोर एंड्रिक(मरणोपरांत), सहायक आरक्षक सनकु राम सोड़ी(मरणोपरांत), सहायक आरक्षक बोसाराम करटामी (मरणोपरांत) को पुलिस वीरता पदक से पुरस्कृत किये जाने की उद्द्घोषणा की गई है।

साथ ही 27 फरवरी 2022 को नैमेड थाना क्षेत्र के ग्राम दुरधामेटा के जंगल मे पुलिस नक्सली मुठभेड़ में दो महिला नक्सली रूकनी पुनेम पिता आयतु (नेशनल पार्क एरिया कमेटी अंतर्गत गंगालूर एलओएस सदस्या व सुखमती पिता पड़गा को मार गिराने व एक नग 9 एमएम पिस्टल, दो मैगजीन, नक्सली साहित्य व विस्फोटक सामग्री बरामद करने में सफलता मिली।

भू-माफियाओं के राजदार पटवारी को पुलिस ने दबोचा

■ **पटवारी गिरफ्तार, सालों से चल रहा था फरार**

सक्ती। सरकार बदलते ही छत्तीसगढ़ में बुलडोजर ने अपना काम शुरू कर दिया है। अतिक्रमणकारियों और भू-माफियाओं पर भी सरकार सख्त नजर आ रही है। इसी सख्ती की आंच सक्ती में भी दिख रही है, वर्षों पहले सक्ती में भू-माफियाओं के राजदार रहे पटवारी कुंज बिहारी बेसवाड़े को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पटवारी बेसवाडे पर शासकीय रिकॉर्ड में कूट रचना कर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज है। करीब दो साल से पटवारी फरार चल रहा था, जिसे सक्ती पुलिस ने बिलासपुर से गिरफ्तार किया है।

मामले में पुलिस ने बताया की शिकायतकर्ता संजय रामचन्द्र ने शिकायत पेश की थी की सक्ती के जगदीश बंसल ने विगत 20 वर्षों से शासकीय भूमि पर कब्जा कर 24 मकान का अपार्टमेंट और करोड़ों का आलिशान बंगला बना लिया है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। जिसकी जांच कलेक्टर ने जांच दल गठित कर करवाया। कलेक्टर जांजगीर के ज्ञापन दिनांक 06।04।2019 के बिन्दु क 01 में हेमलता पति जगदीश प्रसाद बंसल साकिन सक्ती पटवारी हल्का नम्बर 22 के नाम पर खसरा नम्बर 1316/7 कुल रकबा 12 डिसमिल 1998 के अभिलेख अनुसार दर्ज था। परंतु हेमलता बंसल के द्वारा बिना न्यायालय के आदेश के कूटरचना कर 03 डिसमिल जमीन को अपने नाम पर 1316/34 रकबा बनाकर अभिलेख में दर्ज करा लिया गया। जगदीश बसंल ने अपने आवेदन के माध्यम से बताया है कि नामांतरण कमांक 121 दिनांक 03।08।2004 के माध्यम से नाम पर दर्ज कराया गया है। वहीं तहसीलदार सक्ती ने जांच कर प्रतिवेदन दिया है कि 2003-04 एवं 204-05 दायरा पंजी का जांच किया गया। जिसके अनुसार हेमलता पति जगदीश बंसल के नाम पर दर्ज नहीं है। इस वजह से हेमलता बंसल ने कूट रचना कर राजस्व अभिलेख में अपने नाम पर खसरा नम्बर 1316/34 रकबा 3 डिसमिल दर्ज कराया गया है। इसके लिए थाना सक्ती में हेमलता पति जगदीश प्रसाद बंसल और तत्कालीन हल्का पटवारी कुजबिहारी बैसवाड़े के विरुद्ध प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराने के लिए भेजा गया था। जिस पर 4।09।2021 को थाना सक्ती में हेमलता बंसल निवासी सक्ती और कुंज बिहारी बैसवाडे तत्कालीन हल्का पटवारी के विरुद्ध अपराध कमांक 02/2021 धारा 420,467,468, 471, 34 भादवि दर्ज किया गया। आरोपीया हेमलता बंसल पति जगदीश बंसल को उच्च न्यायालय बिलासपुर के एम सी आर सी (ए) नंबर 1232/21 के परिपालन में अग्रिम जमानत मिल गई थी। मामले के अन्य आरोपी कुंज कुमार बेसवाडे पिता बिसाहू लाल उम्र 65 साल साकिन अशोक नगर बिलासपुर फरार था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

रिमझिम और श्रेया का 67वीं राष्ट्रीय शालेय बास्केटबाल स्पर्धा में हुआ चयन

सरगुजा। जिला बास्केटबाल संघ में रिमझिम मिश्रा और श्रेया दास का चयन छत्तीसगढ़ प्रदेश सिनियर बालिका बास्केटबाल टीम के लिए हुआ है। जो 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता मुंबई, महाराष्ट्र में 28 जनवरी से 1 फरवरी 2024 तक आयोजित होना है। इस प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर दोनों के परिवार में खुशी ओर उत्साहित हैं।

बता दें कि रिमझिम मिश्रा सिद्धार्थ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल अम्बिकापूर की छात्रा है और श्रेया दास संत हरकेवल हायर सेकंडरी स्कूल अम्बिकापूर की छात्रा है। रिमझिम मिश्रा और श्रेया दास बास्केटबाल खेल नियमित खिलाड़ी हैं। यह राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह के देखरेख में बास्केटबाल ग्राउंड, गांधी स्टेडियम अम्बिकापूर में अभ्यास करते हैं।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि रिमझिम मिश्रा बचपन से उत्कृष्ट खिलाड़ी रही है। पुर्व में भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिता पहले भी खेल चुकी हैं। श्रेया दास भी बहुत मेहनती खिलाड़ी है। सबसे बड़ी बात अम्बिकापूर के स्थानीय सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल के प्राचार्य और संस्था खिलाड़ीयों के लिए बहुत ही ज्यादा सहयोग रहता है और खिलाड़ीयों के पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय देखकर खिलाड़ीयों का पढ़ाई का नुकसान नहीं होने देतें हैं। सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ संरक्षक अनिल सिंह मेजर साहब, अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंहदेव, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, डीके सोनी, अमितेश पाण्डेय, धनेश प्रताप सिंह, सचिव त्रिपाठी, गौरव सिंह, के। पी। सिंह, दीपक सोनी, रघुनाथ मुखर्जी, सौरभ सिन्हा, अभिमन्यु सिंह, विजय सिंह, भीम सिंह, वेदांत तिवारी, सतीश कश्यप, गौरव सोनी, रजत सिंह, आबिद हुसैन आदि ने दोनों खिलाड़ीयों को अग्रीम बधाई दी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

करंट की चपेट में आने से बाघ की मौत, वन विभाग में हड़कंप

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में करंट लगने से बाघ की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कहा जा रहा है कि आरोपियों ने जंगली सुअर के शिकार के लिए जाल बिछाया हुआ था, जिसकी चपेट में आने से बाघ की मौत हो गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सारंगढ़ के गोमर्डा अभ्यारण्य में दिसंबर माह में क्षेत्र के जंगल मे एक बाघ को विचरण करते देखा गया था। जिसके बाद वन विभाग के द्वारा कैमरा ट्रैप लगाकर तथा एसटीपीएफ का गठन कर उक्त बाघ का सतत् निगरानी की जा रही थी। साथ ही लगातार मॉनिटरिंग एवं ट्रैकिंग किया जा रहा था। इसी बीच 12 जनवरी के पश्चात् इसके जंगल मे बाघ के फूटप्रिंट नहीं मिलने के कारण वन विभाग को हुई शंका के आधार पर विभाग ने अपने मुखबीरों को अलर्ट कर जांच शुरू कर दी। जिसके बाद आरोपियों को पकड़ा गया।

पावर प्लांट में हुआ गैस लीक 4 कर्मचारी आए चपेट में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एनएसपीसीएल पावर प्लांट में गैस लीक हुआ है। इसकी चपेट में प्लांट में काम कर रहे 4 कर्मचारी आ गए हैं। सभी घायल कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, भिलाई के पुरैना स्थित एनएसपीसीएल पावर प्लांट में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है। जिसके चपेट में पावर प्लांट के चार कर्मचारी आ गए हैं। घायल चारों कर्मचारी को सेक्टर नाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। इस पावर प्लांट से भिलाई स्टिल प्लांट में विद्युत आपूर्ति होती है। इस घटना के बाद एनएसपीसीएल के अधिकारी जांच में जुट हैं।

सफेद उल्लू को देखने के लिए लगी ग्रामीणों की भीड़

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में तिवरता में रहने वाले गोगपा नेता के घर की बाड़ी में एक अजीबोगरीब जीव जा पहुंचा। जिसे देखने ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहले तो लोग जीव को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे थे, लेकिन कुछ लोगों ने उसकी पहचान सफेद उल्लू के रूप में की। वह दिन के उजाले में उड़ नही पा रहा था। उसकी देखरेख में ग्रामीण पूरे दिन जुटे रहे। बताया जा रहा है कि कटघोरा वनमंडल अंतर्गत ग्राम तिवरता में विनय जायसवाल रहते हैं। वे युवा मोर्चा गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी के महासचिव पद पर पदस्थ हैं। प्रतिदिन की तरह सुबह सबेरे परिजन बाड़ी की ओर गए हुए थे, इसी दौरान उनकी नजर एक जीव पर पड़ी, जो देखने से अजीब लग रहा था। यह खबर देखते ही देखते पूरे गांव में फैल गई। ग्रामीण भारी संख्या में मौके पर जा पहुंचे। मामले की जानकारी जायसवाल ने वन विभाग के अलावा पक्षी प्रेमियों को दी। जिन्होंने पक्षी की पहचान सफेद उल्लू के रूप में की। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि सफेद उल्लू कृषि क्षेत्रों व गांव के खुले स्थानों को पसंद करते हैं।

एसईसीएल के प्राइवेट साइडिंग के कोल स्टॉक में लगी आग

कोरबा। कोरबा के एसईसीएल मानिकपुर के प्राइवेट साइडिंग के कोल स्टॉक में फिर से भीषण आग लगी है। आग लगते ही अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुट गई है। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही प्रबंधन की बड़ी लापरवाही से आगजनी की घटना घटी थी। इसके बावजूद प्रबंधन हरकत में नहीं आया। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन के सेकेंड एंट्री के पास एसईसीएल मानिकपुर के प्राइवेट साइडिंग में भीषण आग लगी है। तड़के सुबह कोयले की ढेर से उठता धुआं देख हड़कप मच गया। यहां भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक रखा गया था। कोयला परिवहन के दौरान ओवरलोड कोयला एडजस्टमेंट कर कोयले का भंडारण डम किया गया था। आगजनी की सूचना पर पहुंची नगर सेना की दमकल वाहन आग पर काबू पाने के प्रयास में लगी हुई है। घटना की सूचना मानिकपुर चौकी पुलिस को भी दी गई है।

खिड़की काटकर बैंक में चोरी तीन को पुलिस ने दबोचा

दुर्ग। दुर्ग के अंडा थाना क्षेत्र स्थित जिला सहकारी मर्यादित बैंक अटल चौक में डकैती की नियत से बैंक की खिड़की को काटकर अंदर घुसे बदमाश बैंक में रखे कुछ सामान पर हाथ साफ कर लिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और दो लोग अभी भी फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। अंडा थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि जिला सहकारी बैंक में चोरी की सूचना मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर टीम के साथ पहुंचे। जिसके बाद पतासाजी करने पर डकैती करने आए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से घटना में इस्तेमाल दो बाइक और बैंक से चोरी किए कंप्यूटर-मॉनिटर तथा 4700 रूपये बरामद किए गए हैं। पकड़े गए सभी आरोपी रायपुर जिले के रहने वाले हैं। बैंक में बड़ी रकम पर हाथ साफ करने की योजन बनाकर वे सभी आए थे।

फिर हुआ झंडा विवाद, नाराज पक्ष ने थाने का किया घेराव

■ **आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग**

मुंगेली। चिल्फी क्षेत्र अंतर्गत डिंडौरी चौकी में झंडा विवाद हो गया है। दरअसल, घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल भी हो रहा है। इस घटना के विरोध में आज सुबह से ही बड़ी संख्याा में ग्रामीणों ने डिंडौरी पुलिस चौकी का घेराव कर दिया। इस दौरान जमकर नारेबाजी के साथ झंडे और तोरण का अपमान करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी सहित उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा जमकर हंगामा किया गया।

इसको लेकर लोरमी के एसडीएम प्रवीण तिवारी सहित एसडीओपी डीके सिंह मौके पर पहुंचे। जहां तत्काल 6 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। जिनके खिलाफ अब नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है। वहीं पूरी घटना को लेकर एसडीएम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर संबंधित विभाग के अधिकारी पहुंच गए थे। जिनके द्वारा पटाक्षेप करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि इस घटना के बाद से आसपास क्षेत्र में तनाव का महौल न बने इसको लेकर बड़ी संख्या में पुलिस पर तैनात की गई है। इसके अलावा जिस डीजे के माध्यम से तोरण और झंडे को निकालने का काम आरोपियों ने किया है उसे भी पुलिस ने जब्त करने की कार्रवाई की है। फिलहाल सुरक्षा के मद्देनजर डिंडौरी गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। जो गांव में मोर्चा संभाले हुए हैं। वहीं गिरफ्तार आरोपियों में अब तक 6 आरोपी शामिल हैं।

इस घटना को लेकर एसडीओपी डीके सिंह ने बताया कि इस मामले में दोषियो सहित डीजे संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि 22 जनवरी को अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गांव को भगवा झंडा सहित तोरण से सजाया गया था। जिसको नुकसान पहुंचाने का काम कुछ लोगों ने किया है। जिनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसकी मांग को लेकर ग्रामीणों ने चक्काजाम सहित पुलिस चौकी का घेराव भी कर दिया था।

प्रदेश में बुलडोजर की धमक, भाजपा की सरकार आते ही प्रशासन की सख्ती

लगभग 100 एकड़ में अवैध प्लाटिंग कर बनाई जा रही थी कॉलोनी, चला बुलडोजर

तखतपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आते ही बुलडोजर कार्रवाई तेजी से चल रही है। अवैध कब्जा कर बनाए गए दुकानों और घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज बिलासपुर के तखतपुर विकासखंड में अब प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की है। ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ जमीन में अवैध तरीके से प्लाटिंग कर किये जा रहे कॉलोनी के निर्माण पर बुलडोजर चला दिया गया है। इस बुलडोजर कार्रवाई से अवैध कॉलोनी वालों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, तखतपुर विकासखंड के ग्राम मेंड्रा, सैदा, घुरू में लगभग 100 एकड़ में अवैध तरीके से प्लाटिंग किया जा रहा था। इसे बिना टी एंड सी और रेरा की अनुमति के कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। जिला प्रशासन के बार-बार नोटिस

के बाद भी अवैध प्लाटिंग किया जा रहा था और अवैध कॉलोनी धारियों के हौसले बुलंद हो रहे थे। जिसके बाद एसडीएम वैभव कुमार क्षेत्रज्ञ ने सख्ती से कार्रवाई करने जिला प्रशासन की टीम के साथ बुलडोजर पहुंचे। जहांअवैध कॉलोनी की कच्ची और सीसी सड़कें बुलडोजर से खोदी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्व मंत्री आवासीय नारी सशक्तिकरण प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए

बलौदाबाजार। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने आज गायत्री परिवार महिला प्रकोष्ठ द्वारा गायत्री शक्तिपीठ बलौदाबाज़ार में आयोजित पाँच दिवसीय आवासीय नारी सशक्तिकरण प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस पर उपस्थित होकर माता गायत्री की वंदना की इस अवसर पर उन्होंने गायत्री परिवार की माताओं-बहनों से संवाद भी किया।

खाद्य मंत्री नवागढ़ रामायण मानस गायन कार्यक्रम में हुए शामिल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल बेमेतरा जिले के नवागढ़ शंकर नगर में आयोजित रामायण मानस गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में रामायण मानस मण्डली महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह हमारी संस्कृति की धरोहर है। रामायण मानस मंडलियां प्रदेश में प्रभु श्री राम के आदर्शो और उनके जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है।

उप मुख्यमंत्री साव, कौशिक, अमर व भूपेंद्र ने दी नारायण देव को श्रद्धांजलि

सुकमा। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक

धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल एवं भूपेंद्र सवन्नी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण देव के पिता स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण देव के निधन पर आज सुकमा स्थित लुम्बनी हाउस में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और पुण्य आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की साथ ही शोकाकुल परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट किया। इस मौके पर करण सिंह देव, कुमार जयदेव, किरण देव, विक्रम सिंह देव सहित भाजपा के पदाधिकारीगण मौजूद थे। विदित हो कि सुकमा स्थित लुम्बनी हाउस में 29 जनवरी को बारहवीं एवं शांति भोज का आयोजन किया गया है।

छत्तीसगढ़ पहुंची स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरमैन रजनी

रायपुर। लोकसभा चुनावों को देखते हुए

कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षा रजनी पाटिल आज सुबह राजधानी रायपुर पहुंची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने रजनी पाटिल का प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरण दास महंत सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आज आएंगी

रायपुर। नवनिर्वाचित महिला कांग्रेस राष्ट्रीय

अध्यक्ष अलका लांबा आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अलका का यह प्रथम आगमन है। प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने बताया कि आज सुबह 9 बजे एयरपोर्ट में छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस के द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। 11 बजे राजीव भवन में स्वागत व अभिनंदन के बाद 12 बजे कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। दोपहर 1 बजे प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक होगी। जिसमें महिला कांग्रेस प्रदेश पदाधिकारी शामिल होंगे। 29 जनवरी को धमतरी में महिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य रूप से अलका के छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद फूलों देवी नेताम उपस्थित रहेंगे।

महंत कालेज में मनाया गया अमृत काल का गणतंत्र दिवस

रायपुर। महंत कॉलेज व वामनराव लाखे स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि शिक्षा प्रचारक समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी , उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, सचिव अनिल तिवारी पुलिस विभाग के अधिकारी गिरिष पाण्डेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी विद्यालय की प्राचार्य भारती यदु , विद्यालय व महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवम बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए अमृत काल के गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि अजय तिवारी ने कहा कि यह गणतंत्र दिवस न केवल अमृत काल का गणतंत्र दिवस है बल्कि वर्तमान स्थिति में इसे दिव्य गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए क्योंकि अभी हाल ही में भगवान श्री रामचंद्र जी की प्राण प्रतिष्ठा उनके जन्मस्थली अयोध्या में पूरे विश्व ने मनाया भारत वर्तमान में पांचवी आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा तथा कोरोना के पश्चात तेजी से आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है यह कार्य विगत 75 वर्षों का परिणाम है जिससे प्रत्येक भारतीय शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उन्नति कर पाए है।

पुलिस के जांबाज जवानों को राज्यपाल हरिचंदन ने वीरता पदक से किया सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित स्वागत समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने पदक अलंकरण प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों से भेंट कर उनके शौर्य और पराक्रम की सराहना की। इस दौरान पुलिस वीरता पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक और सराहनीय सुधार सेवा पदक प्राप्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। स्वागत समारोह में कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

सीएम विष्णुदेव साय ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के कुछ इलाके सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील है। आप सभी के सेवा, साहस और मुकाबला से आज यह दायरा छोटा होते जा रहा है। कर्तव्य के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि आज आप सभी को पुलिस पदक प्राप्त हुए हैं। छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की जब भी बात होगी, तो हमारे पुलिस के जवानों के संघर्ष, शौर्य और साहस का स्वर्णिम इतिहास भी प्रमुखता से उल्लेखित किया जाएगा।

छह फरवरी साल 2019 को बीजापुर पुलिस को सशस्त्र माओवादियों के प्रशिक्षण शिविर में उपस्थिति की खुफिया सूचना मिली। अगले दिन पुलिस टीम घटना स्थल की ओर रवाना हुई और इस दौरान 80-100 हथियार बंद माओवादियों ने पुलिस जवानों पर फायरिंग की। लगभग 90 मिनट तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस जवानों के साहस के साथ की गई। जवाबी कार्यवाही ने नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। घटना में 10 नक्सली मारे गए। इसके साथ ही बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्रियां बरामद की गई। इस घटना की

सूचना मिलते ही तत्कालीन बीजापुर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने अपनी टीम तैयार की और घायल साथियों की सुरक्षित वापसी के लिए घटना स्थल की ओर रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक गर्ग स्वयं टीम का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़े और इस दौरान इंद्रावती नदी से दो किलोमीटर दूर घात लगाकर बैठे 40 से 50 नक्सलियों ने पुलिस पर अंधाधुंध गोली बारी शुरू कर दी। गर्ग ने जान की परवाह किए बिना तुरंत अपनी टीम को आगे बढ़ाया और घात लगाकर नक्सलियों पर हमला किया। उनकी रणनीतिक ऑपरेशन की योजनाएं बनाई और चतुराई से नक्सलियों का मुकाबला किया।

इस अदम्य साहस और बहादुरी के लिए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के साथ ही उप निरीक्षक पिल्लुराम मंडावी, सहायक उप निरीक्षक जोगीराम पोड़ियाम, प्रधान आरक्षक हिड़मा पोड़ियाम, प्रधान आरक्षक प्रमोद कुड़ियाम, प्रधान आरक्षक बलराम कश्यप, आरक्षक बीजूराम मज्जी, आरक्षक बुधराम हपका, आरक्षक लक्ष्मीनारायण मरपल्ली, आरक्षक मंगलू कुड़ियाम को पुलिस के %वीरता पदक% से अलंकृत किया गया। स्वर्गीय बुधराम हपका का पुरस्कार उनकी पत्नी ने प्राप्त किया।

राजनांदगांव जिले में 2 अगस्त साल 2019 को दरेकसा क्षेत्र समिति के 8-10 सदस्यों की उपस्थिति के संबंध में सूचना मिलने पर जिले की पुलिस टीम किआ ओर से ऑपरेशन रिमझिम-1 चलाया गया। थाना बाघ नदी अंतर्गत काला पहाड़ में ऑपरेशन के दौरान जब पुलिस पार्टी आगे बढ़ रही थी, तब घात लगा कर बैठे नक्सलियों ने पुलिस जवानों को जान से मारने और हथियार लूटने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान निरीक्षक लक्ष्मण केंवट ने साहस पूर्वक इस अभियान का नेतृत्व किया और निडरता से कवर फायर करते हुए पुलिस पार्टी को फंसाने के नीयत से बिछाई आईईडी से बच निकले। गोलीबारी करीब ढाई घंटे तक चली। घटना स्थल की तलाशी में 5 महिला माओवादी और 2 पुरूष माओवादी के शव के साथ बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री बरामद किए गए। इस अदम्य साहस और बहादुरी के लिए निरीक्षक लक्ष्मण केवट को 'पुलिस के वीरता पदक' से अलंकृत किया गया।

उपपुलिस अधीक्षक शेरबहादुर सिंह ठाकुर और आरक्षक छत्रपाल साहू को पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया गया। बीजापुर जिले में सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों ने खुफिया इनपुट प्राप्त होने पर सर्चिंग अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान केतुलनार के जंगल में पहुंची। पुलिस टीम पर कैजुअल सिविल ड्रेस में आए नक्सलियों ने अचानक गोली बारी शुरू कर दी। एसडीओपी शेरबहादुर सिंह ठाकुर और उनकी टीम ने तेजी से स्थिति को संभालते हुए आत्म रक्षा में जवाबी गोली बारी की। 10 मिनट तक हुए फायरिंग में नक्सली जंगल की ओर भाग निकले। घटना स्थल के सर्चिंग के दौरान एक माओवादी के शव सहित भारी मात्रा गोलाबारूद बरामद किए।

बीजापुर जिले में 27 अप्रैल 2018 को हुए नक्सली घटना में उप निरीक्षक सुरेश जव्वा, प्रधान आरक्षक सुशील जेट्टी, प्रधान आरक्षक बड़दी धरमैया, आरक्षक मंगलू कोवासी, आरक्षक मुकेश कलमू, आरक्षक रमेश पेरे को अदम्य साहस और बहादुरी की वीरता पुरस्कार से अंलकृत किया गया। उसके साथ ही बीजापुर जिले में 2 मार्च 2018 को हुए नक्सली घटना के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने के लिए उप निरीक्षक अरूण कुमार मरकाम, प्रधान आरक्षक लच्छिन्दर कुरूद, प्रधान आरक्षक मनोज कुमार मिश्रा, आरक्षक लीलांबर भोई, आरक्षक अजय कुमार बघेल को वीरता पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक जिला दंतेवाड़ा रेन्ज के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप को प्रदान किया गया। सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक नेहा चंपावत पुलिस महानिरीक्षक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो, नई दिल्ली, सुरजन राम भगत सेनानी, 22 वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ बल जिला-कांकेर, भावना पांडेय जोनल पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा भिलाई, उप निरीक्षक गनपत प्रसाद पांडेय जिला गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही, कंपनी कमांण्डर तेलेस्फोर मिंज, सहायक सेनानी राजेश कुमार शर्मा 9वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ बल जिला दंतेवाड़ा, प्लाटून कमांडर थाक बहादुर सोनी प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ बल भिलाई, प्रधान आरक्षक वेद कुमार मंडावी यातायात कार्यालय जिला कांकेर, आरक्षक शैलेन्द्र सिंह यातायात बिलासपुर, उप सेनानी प्रकाश टोप्पो 15वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ बल जिला बीजापुर को प्रदान किया गया। गृह और नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक संभागीय सेनानी नगर सेना रायपुर संभाग अनिमा एस कुजूर, कंपनी क्वार्टर मास्टर नगर सेना धमतरी मदनलाल और नगर सेना कोरबा के सैनिक चन्द्रिका सिंह कंवर को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ में एक भी सीट पाना अब कांग्रेस के लिए बहुत मुश्किल का काम

■ **कांग्रेस की बैठक को लेकर कृषि मंत्री नेताम का तंज, कहा- कांग्रेस टूट चुकी है**

रायपुर। लोकसभा चुनाव नजदीक है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां सियासी जाल बुन रही हैं। आए दिन बैठकों का दौर जारी है। इस बीच कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कांग्रेस की बैठक को लेकर तंज कसा है। राम विचार नेताम ने कहा, कांग्रेस की जो स्थिति हैं, कदम ताल कर रहे हैं। चुनावी मैदान में पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद को उतरेंगे ये इनका निजी मामला है। कांग्रेस एक तरह से निराश है, हताश है, टूट चुकी है।

आगे रामविचार नेताम ने कहा, छत्तीसगढ़ में ये वातावरण बना कर चल रहें थे कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बन रही है, लेकिन जनता ने जो जनादेश दिया, इससे कांग्रेस पूरी तरह से हिल चुकी है। समझ नहीं आ रहा है कि, आखिर हुआ क्या। बैठक है तो चलते रहेगी, इससे कुछ होना नहीं है, उन्हें यह भी लगने लगा है कि छत्तीसगढ़ में एक भी सीट पाना अब उनके लिए बहुत मुश्किल का काम है। जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी का बूथ से लेकर जिला तक वह राष्ट्रीय स्तर तक कार्यक्रम जो चल रहा है उसे निश्चित ही यह हताशा की ओर है।

कांग्रेस ने मोदी की गारंटी को लेकर कहा है कि, अब तक धरातल पर नहीं लाया जा सका है। जिस पर रामविचार नेताम ने पलटवार करते हुए कहा कि, बीजेपी सरकार का अभी तक दो माह भी पूरा नहीं हुआ है, कांग्रेस को अभी से

धरातल दिखने लगा। समय होने दीजिए 5 साल के लिए हमें जनादेश मिला है। हमारा जो वादा था, हम उस वादे के अनुसार सभी बड़े काम को पूरा किया है। जमीन तक उतरने में समय थोड़ा लगता है, वह भी हो जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लोकसभा चुनाव लड़ने और कई पूर्व मंत्री रह चुके लोगों के दावेदारी पर तंज कसते हुए राम विचार नेताम ने कहा, विवाद तो कांग्रेस में जन्मजात है, यह तो चलेगा। अब चाहे भूपेश बघेल राजनांदगांव से चुनाव लड़ें, या रायपुर से। कांग्रेस अपनी जमीन तलाशने में लगी हुई है। कांग्रेस की जमीन उखड़ चुकी है। जनता ने जो सबक सिखाया है, वह सबके सामने है। आने वाले समय में धीरे-धीरे उनके और भी भ्रष्टाचार लगातार अब सामने आने लगे हैं।

छत्तीसगढ़ की झांकी में शामिल लोक-कलाकारों से पीएम मोदी ने मुलाकात कर की बात

बोले- आप अपने साथ अपने राज्यों के रीति-रिवाज को लेकर भी आए हैं

रायपुर। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड से पूर्व 24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न प्रदेशों से झांकी के प्रदर्शन के लिए राजधानी आए लोक-कलाकारों को आमंत्रित कर उनसे मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। इसी दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की झांकी ''बस्तर की आदिम जनसंसद मुरिया दरबार'' में शामिल लोक-कलाकारों से भी मुलाकात की। इन कलाकारों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी शुभकामनाओं के साथ छत्तीसगढ़ से नई दिल्ली रवाना किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राज्यों से आई महिला कलाकारों को अच्छे और जीवंत प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से नई दिल्ली पहुंचे एनसीसी और एनएसएस के बच्चों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा, तथा अन्य मंत्रिगण मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि, इस बार गणतंत्र दिवस की परेड देश की नारी शक्ति को समर्पित है। मैं आज यहां इतनी बड़ी संख्या में देश के अलग-अलग हिस्सों से आई बेटियों को देख रहा हूं। आप यहां अकेले नहीं आए हैं, बल्कि आप सभी अपने साथ अपने राज्यों के रीति-रिवाज और अपने समाज की समृद्ध सोच भी लेकर आए हैं। आज आप सब से मिलना भी एक विशेष अवसर बन गया है। कड़ाके की ठंड में आप सभी ने घने कोहरे के बीच दिन-रात रिहर्सल किया और गजब की परफॉर्मेंस दे रहे हैं। मुझे पक्का विश्वास है कि, जब आप यहां से अपने घर जाएंगे तो आपके पास गणतंत्र दिवस के अनुभवों के बारे में बताने के लिए काफी कुछ होगा और यही तो इस देश की विशेषता है। विविधताओं से भरे हमारे देश में सिर्फ एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने से ही जीवन में नए अनुभव जुड़ने लग जाते हैं।

जो अधिकारी आदेश नहीं मानेगा, उसे माफ नहीं किया जाएगा: रेणुका सिंह

■ **विधायक ने अफसरों को दी सख्त हिदायत**

सूरजपुर। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और भरतपुर-सोनहत से भाजपा विधायक रेणुका सिंह ने गरीबों को लेकर अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए अफसरों के लिए कहा कि मैं गरीबों की हूं, उनके साथ भेदभाव होगा तो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करूंगी।

विधायक रेणुका सिंह ने गरीबों को लेकर अधिकारियों से कहा कि जो अधिकारी मेरे आदेश की अवहेलना करेगा, उसको मैं कभी माफ नहीं करूंगी। दरअसल, विधायक रेणुका सिंह ने यह बयान तब दिया, जब वह अपने विधानसभा क्षेत्र के केल्हारी दौरे में थी।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए

उन्होंने कहा कि किसी भी शख्स के साथ शासन की योजनाओं को लेकर भेदभाव एवं अनदेखी हुई तो रेणुका सिंह कभी नही बख्सेगी। अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पहुंचे ये मेरी प्राथमिकता में है। गौरतलब है कि रेणुका सिंह अपने बयानों और कार्यशैली को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। रेणुका सिंह विधानसभा चुनाव के दौरान भी अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में थी।

प्लाटून कमांडर्स ने किया मार्च पास्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने ध्वजारोहण कर सलामी ली। राज्यपाल ने परेड का निरीक्षण किया और हर्ष फायर किया गया। सभी प्लाटून्स ने मार्च पास्ट कर देश की आन बान शान के लिए जज्बा दिखाया। वहीं केन्द्रीय बल के सीमा सुरक्षा बल और राज्य पुलिस बल की महिला बैग पाइपर बैंड को प्रथम पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व बल, भारत तिब्बत सीमा बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, तेलंगाना पुलिस,

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुरूष एवं महिला, छत्तीसगढ़ पुलिस (पुरूष), जेल पुलिस (पुरूष), नगर सेना (पुरूष), नगर सेना (महिला), बैण्ड प्लाटून, घुड़सवार दल, महिला बैग पाईपर बैंड दस्ता और एनसीसी बॉयज और गर्ल्स की प्लाटून ने भाग लिया। सभी प्लाटून्स ने मार्च पास्ट कर देश की आन बान शान के लिए जज्बा दिखाया। सभी प्लाटून्स ने एक लय में मार्च पास्ट कर दशकों का मन मोह लिया।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री को हुए हैं श्रीराम और बजरंग बली के दर्शन

रायपुर। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कुमार शास्त्री का रायपुर के स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ परिसर में हनुमंत कथा चल रही है। कथा से पहले अमर उजाला के सवाल - %लोग आपको डिवाइन ऑफ पॉवर कहते हैं, क्या आपको भगवान श्रीराम या हनुमान जी के दर्शन हुए हैं? जवाब में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है। हम भारत की मीडिया के सामने और पूरी दुनिया के सामने हनुमान जी के बल पर और उनके प्रभाव पर माला और अपने वाई-फाई की कसम खाकर कहते हैं कि आई डिवाइन ऑफ पॉवर, नो प्रॉब्लम।

उन्होंने कहा कि हमारे पास भगवान हनुमान जी की कृपा है और भारत में रहने वाले सभी व्यक्ति के पास है। हमने उसको जाना है, हमने गुरु कृपा पाई है। चैलेंज देते हुए कहा कि हम पूरी दुनिया के जितने भी दूसरे मजहब के धर्मगुरु हैं, उनको ललकार कर कहते हैं, तुम हमारा सामना करो हम तुम्हारी पेंट गीली न कर दे तो कहना। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विकास का परिचय तब खुलेगा जब कोई विकास के लिए सत्ता पर बैठा व्यक्ति लालायित हो। भारत में सत्ता का प्रेमी नहीं, सेवा का प्रेमी होना चाहिए। अध्यात्मिक चमत्कार पर बागेश्वर धाम सरकार ने कहा कि पानी फेंकना क्या चमत्कार नहीं है।

भूपेश बघेल को कांग्रेस ने दी बड़ी जिम्मेदारी

■ **बिहार का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया**

रायपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उन्हें बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा और अन्य पार्टी गतिविधियों के समन्वय के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस संबंध में पार्टी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेगुगोपाल ने आदेश जारी कर दिए हैं।

राहुल गांधी के नेतृत्व में दूसरी बार भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत 14 जनवरी से मणिपुर में हुई है। ये यात्रा गुरुवार को पश्चिम बंगाल पहुंची थी। 26-27 जनवरी को दो दिन के विराम के बाद बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और

दार्जिलिंग जिलों से गुजरेगी। फिर 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। इसके बाद यात्रा 31 जनवरी को मालदा के रास्ते पश्चिम बंगाल में दोबारा प्रवेश करेगी और मुर्शिदाबाद से होकर गुजरेगी। राहुल की इस यात्रा को पहले असम में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाद में पश्चिम बंगाल में भी यात्रा में कुछ रुकावटें आईं। दरअसल पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी के बीच कुछ तनाव देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा जो मणिपुर से 14 जनवरी को प्रारंभ हुई है और फरवरी माह में छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी। यात्रा मुंबई पहुंचकर समाप्त होगी। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में रायगढ़ के रास्ते यात्रा रायगढ़ लोकसभा, जांजगीर लोकसभा, कोरबा लोकसभा और सरगुजा लोकसभा होते हुए उत्तरप्रदेश प्रवेश करेंगी। यात्रा की तैयारी हेतु प्रदेश संयोजक एवं जिला संयोजक की नियुक्ति कर दी गई है। जो यात्रा का रूट मैप तैयार कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने डोनेशन फार नेशन की भी चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अपने शक्ति अनुसार डोनेशन देकर पार्टी को सहयोग करें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा और अन्य पार्टी गतिविधियों के समन्वय के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

प्रदेश में बदलेगा मौसम का मिजाज, पारा बढ़ने पर कड़ाके की ठंड से मिलेगी राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तरी हवाओं के प्रभाव से प्रदेश के मौसम बदला है। इससे प्रदेश में सुबह और रात की तरह दिनभर ठंड लग रही है। कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने की संभावना है। शुक्रवार को सबसे ठंड इलाका बलरामपुर रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। प्रदेश में आने वाले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान बढ़ने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड से लोगों की राहत मिलेगी। न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इससे न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और ठंड में कमी आएगी।

बीते दिनों प्रदेश में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदला हुआ था। सुबह के समय बादल छाए रहने के साथ ही हल्की मध्यम बारिश होते रही। कहीं-कहीं अच्छी बारिश भी हुई है। सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने से लोगों का घर से निकलना भ मुश्किल हो गया था। अब मौसम साफ हो गया है। बादल छटने के बाद ठंड में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अब न्यूनतम तापमान में बढ़ने की संभावना है। इससे ठंड में कमी आएगी।

शुक्रवार को प्रदेश में सबसे ठंड इलाका बलरामपुर रहा है। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस राजनंदगांव में दर्ज किया गया है। इसके साथ ही दुर्ग में 28.8 और दंतेवाड़ा में 28.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान बलरामपुर में 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही सरगुजा में 5.4, जशपुर में 6.2 और कोरिया में 7.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है।

पीएम ने अयोध्या जाकर कोई गलती नहीं की

अर्घ्य सेनगुप्ता

अयोध्या में इस हफ्ते राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ तो देश ने 75वां गणतंत्र दिवस भी मनाया। ऐसी धारणा है कि दोनों में कोई होड़ चल रही थी। एक तरफ नैशनल आइकन के रूप में भगवान राम के साथ हिंदू रिपब्लिक और दूसरी तरफ सेकुलर रिपब्लिक, जिसका आइकन है संविधान। लेकिन, यह गलत चित्रण है। हमारा संविधान एक धार्मिक नायक का सार्वजनिक रूप से जश्न मनाने की इजाजत देता है।

मैथ्यू जॉन ने अपनी किताब में लिखा है कि संविधान निर्माताओं ने भारतीयों को सांप्रदायिक पहचान यानी हिंदू और मुस्लिम के रूप में देखा। अंग्रेजों ने भी भारतीयों की पहचान इसी तरह से की थी। ऐसा नहीं है कि संविधान निर्माता समाज को बांटने वाली प्रवृत्तियों पर ध्यान दे रहे थे। दरअसल, उन्होंने समझा कि भारतीय अलग हैं। फिर उन्होंने सभी के लिए समान अवसर बनाने का प्रयास किया। यही कारण है कि जब विवाह और दूसरे पर्सनल लॉ में सुधार की बात आई, तो सभी धर्मों में बहुविवाह प्रचलित होने के बावजूद सुधार केवल हिंदू कानूनों में किए गए। सोच यह थी कि दूसरे समुदायों में सुधार आहिस्ता-आहिस्ता किया जाएगा। इस तरह से नए गणतंत्र ने धार्मिक प्रथाओं को आधुनिक बनाने का काम अपने ऊपर ले लिया। यह संविधान निर्माताओं के विचारों के अनुरूप था कि स्टेट भारतीयों के लिए स्वतंत्रता का सक्रिय गारंटर होगा। यह काम वह निष्क्रिय स्टेट बनकर, धार्मिक प्रथाओं को जारी रखकर नहीं करेगा। इसके बजाय संविधान ने राज्यों को सक्षम बनाया कि वे हिंदू मंदिरों में सभी जाति के लोगों के प्रवेश के लिए कानून बना सकें। साथ ही, अधिकार दिया कि राज्य सभी धर्मों के गैर धार्मिक पहलुओं को रेगुलेट कर सकें। मसलन - वक्फ बोर्ड एक्ट, टेंपल बोर्ड एक्ट जिनसे कि धार्मिक समूहों से जुड़ी संपत्ति रेगुलेट होती है। इस तरह से राज्यों की सुधारवादी भूमिका बनी। इसका मतलब है कि धर्म और राज सत्ता को अलग रखने की फ्रांसीसी अवधारणा को नहीं माना गया। दिलचस्प बात यह है कि संविधान में इस सोच को शामिल करने की समर्थक थी अखिल भारतीय हिंदू महासभा। तब उसका नेतृत्व कर रहे थे विनायक दामोदर सावरकर। महासभा ने हिंदुस्तान का जो संविधान रखा, जिसमें स्पष्ट प्रावधान था कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा और न ही इसके किसी प्रांत का कोई धर्म होगा। अगर वह प्रावधान शामिल होता संविधान में, तो यह तर्क दिया जा सकता था कि पीएम नरेंद्र मोदी का किसी प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना असंवैधानिक होगा। लेकिन, सावरकर के संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता के चरम समर्थन को नजरअंदाज कर दिया गया। एक भारतीय नागरिक के जीवन में आध्यात्मिकता के केंद्र में यही चीज होती है, भगवान के नाम पर। कुछ लोग इसके भी समर्थक थे। स्वतंत्रता सेनानी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के फॉरवर्ड ब्लॉक के महासचिव हरि विष्णु कामथ चाहते थे कि संविधान की प्रस्तावना में इसे शामिल किया जाए। संविधान की शुरुआत 'भगवान के नाम पर' से होनी चाहिए। उन्होंने संशोधन प्रस्ताव भी दिया, जो मामूली अंतर से पास नहीं हो पाया। इसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट को 'यतो धर्म ततो जय' यानी 'जहां धर्म है, वहां जीत है' को आदर्श वाक्य के तौर पर अपनाने में कोई विरोधाभास नहीं लगा। भारतीय गणतंत्र ने हमेशा सर्वोच्च सत्ता और धर्म को जीवन को आकार देने वाली सर्वव्यापी शक्ति के रूप में मान्यता दी है। लेकिन, इसे कभी भी भारतीय राज्य का मूलभूत आधार नहीं बनाया। राज्य को संविधान अनेक शक्तियां प्रदान करता है जिनसे वह धर्मों में सुधार के लिए बहुत कुछ कर सकता है। संविधान राज्य या निर्वाचित प्रतिनिधियों को धार्मिक समारोहों में भाग लेने से नहीं रोकता। नागरिकों को अपने धार्मिक विश्वासों का खुले तौर पर पालन करने से तो बिल्कुल नहीं रोकता। पीएम का अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का नेतृत्व करना संवैधानिक रूप से उचित है। यह बिल्कुल वैसे ही है, जैसे कि राज्य के किसी हस्तक्षेप के बिना बेंगलुरु में तबस्सुम शेख का हिजाब पहनकर कॉलेज जाना। धर्म के खुले आचरण और सार्वजनिक जीवन के बीच कोई संवैधानिक मतभेद नहीं है। यह 'सर्व धर्म समभाव' के अधिक स्वदेशी और उदार विचार पर आधारित है। यह इस संवैधानिक समझ का आधार है कि राज्य ने जेसुइट स्कूलों को धन मुहैया कराया है, सार्वजनिक भवनों के उद्घाटन पर नारियल तोड़ने के समारोह नियमित रूप से आयोजित किए गए हैं और राष्ट्रपति भवन में भव्य इफ्तार पार्टियां हुई हैं। यही समझ राम में आस्था रखने वाले प्रधानमंत्री को उनके नाम पर मूर्ति प्रतिष्ठित करने की अनुमति देती है। बेशक, जब बात अयोध्या में राम मंदिर और बाबरी मस्जिद की आती है, तो यह देखना बाकी है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह से गहरे सांप्रदायिक घाव भरते हैं या और गहरे हो जाते हैं।

विपक्षी गठबंधन का हवाई किला ढहा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में, इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ तो भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत करती जा रही है वहीं विपक्षी दलों में सीटों के बंटवारे की गुत्थी उलझती जा रही है। सीट के बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है।

भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इंडिया गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। लेकिन इतनी छोटी होगी कि वो चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा, इसकी उम्मीद तो किसी को भी नहीं थी।

विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। बिहार से भी जो समाचार आ रहे हैं, उनके मुताबिक नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं। विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है।

ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल, तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीटों के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं। आम आदमी पार्टी 13 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के लिए सर्वे करवा रही है। कांग्रेस ने साल 2019 में राज्य में आठ लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि आप ने केवल एक सीट जीती थी। वहीं 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। उसका वोट शेयर बढ़कर 42.4 प्रतिशत हो गया था। इसी के साथ कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी। कांग्रेस को सिर्फ 18 सीटें मिली थीं।

बिहार में अटकलें तेज़ हैं कि मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन को छोड़कर एक बार फिर एनडीए में जा सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू और लोकजनशक्ति पार्टी के साथ गठबंधन करके 54.40 प्रतिशत वोट हासिल कर बिहार की 39 लोकसभा सीट जीती थीं। इस दौरान एनडीए को मिले 54.40 प्रतिशत मत में 22.3 फीसदी वोट नीतीश की पार्टी जेडीयू का था। जबकि महागठबंधन का वोट शेयर 31.40 प्रतिशत था। जेडीयू को 2019 लोकसभा चुनाव में 17 में से 16 सीटों पर जीत मिली थी। सर्वे बता रहे हैं कि जेडीयू को इस बार ऐसे नतीजे नहीं मिलने वाले हैं। नीतीश को लगता है कि अगर उन्हें ज्यादा सीटें जीतनी हैं तो पाला बदलना पड़ेगा। वह इस बात को भलीभांति जानते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर खुलने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की वजह से बीजेपी को 2024 में जीत मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश में अभी तक विपक्षी गठबंधन के साथियों में यह तय नहीं हो सका है कि किसे कितनी सीटें मिलेंगी। राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने 20 सीटों की मांग की है लेकिन समाजवादी पार्टी को यह मांग जायज नहीं लग रही है। दोनों दलों के नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर बैठक हो चुकी है। इस बीच सपा ने राष्ट्रीय लोकदल के साथ सात सीटों को लेकर समझौता की घोषणा कर दी है। अभी सीटों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पिछली बार 2019 में हुए चुनाव में आंकड़ों पर गौर करें तो बीजेपी के खाते में कुल वोट का 49.56 प्रतिशत गया था। वहीं बसपा को 19.26, सपा को 17.96 और कांग्रेस को 6.31 प्रतिशत वोट हासिल हुआ था। हालांकि सपा और बसपा एक साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरे थे। लेकिन चुनाव के बाद फिर से दोनों दलों के बीच खटास आ गई थी।

ऐसा लगता है इंडी के बाकी घटक ये जान गए हैं कि कांग्रेस नीति और नेतृत्व की दृष्टि से खस्ताहाल में है। ऐसे में वे उसके साथ डूबने की बजाय खुद का बचाव करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं जो पार्टी अपने राज्य में मजबूत है वो वहां कांग्रेस को भाव देने के मूड में नहीं है। ये भी लगता है कि राहुल की न्याय यात्रा से भी गठबंधन के सदस्य नाराज हैं। उन्हें लगता है कि इस समय गठबंधन का सामूहिक शक्ति प्रदर्शन ज्यादा असरकारक साबित होता। लेकिन कांग्रेस ने बिना सहयोगियों को विश्वास में लिए ही राहुल की यात्रा शुरू कर दी। एक तरफ जहां भाजपा जनवरी के अंत तक 2019 में हारी हुई लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने का संकेत दे रही है तब कांग्रेस की शक्ति और संसाधन इस यात्रा के प्रबंधन में खर्च कर रही है। होना तो ये चाहिए ऐसे समय बजाय यात्रा के राहुल गठबंधन के सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाकर सीट बंटवारे का आधार तय करते हुए अपने नेतृत्व के प्रति उनमें भरोसा पैदा करते। लेकिन ऐसा लगता है न तो वे और न ही उनकी पार्टी दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ पा रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

तदनन्तर उन (विराट् पुरुष) भगवान् नारायण ने एक अन्य कामना से संकल्प युक्त हो अन्तःस्थ मन से ध्यान किया। अन्तःस्थ होकर ध्यान करने से उनके ललाट से त्रिनेत्रयुक्त, हाथ में त्रिशूल धारण किये हुए पुरुष की उत्पत्ति हुई। उस ऐश्वर्यशाली पुरुष के शरीर में यश, सत्य, ब्रह्मचर्य, तप, वैराग्य, नियन्त्रित मन, श्री- सम्पन्नता एवं ओंकार सहित व्याहृतियाँ, ऋग्, यजुः, साम, अथर्व आदि चारों वेद तथा समस्त छन्द प्रतिष्ठित थे। इसी कारण वह ईशान एवं महादेव के नाम से प्रख्यात हुए।

इसके पश्चात् पुनः उन भगवान् नारायण ने अन्य कामना से अन्तः में स्थित होकर ध्यान किया। उस अन्तःस्थ ध्यान में लीन नारायण के ललाट से पसीने की बूँदें निःसृत होने लगीं। वह पसीना ही चारों ओर फैलकर आपः (प्रकृति का मूल क्रियाशील द्रव्य) रूप में परिणत हो गया। उस आपः से ही तेजोमय हिरण्यगर्भरूप अण्ड की उत्पत्ति हुई और उसी तेज से चतुर्मुख ब्रह्माजी प्रकट हुए।

उन पितामह भगवान् ब्रह्माजी ने (चारों दिशाओं में भिन्न-भिन्न देवों का) ध्यान किया। पूर्व दिशा की तरफ मुख करके उन्होंने भूः व्याहृति, गायत्री छन्द, ऋग्वेद तथा अग्निदेव का ध्यान किया। पश्चिमाभिमुख होकर भुवः व्याहृति, त्रिष्टुप् छन्द, यजुर्वेद सहित वायुदेव का ध्यान किया। उत्तर दिशा की ओर अभिमुख होकर स्वः व्याहृति, जगती छन्द तथा सामवेद सहित सूर्य (सविता) देव का ध्यान किया और दक्षिण की तरफ अभिमुख होकर महः व्याहृति, अनुष्टुप् छन्द तथा अथर्ववेद सहित सोम देवता का ध्यान किया।

[यहाँ पितामह के द्वारा जिन-जिनके ध्यान करने का उल्लेख है, वे सभी उसी ध्यान प्रक्रिया से प्रादुर्भूत होते चले गये।]

क्रमशः ...

देश की स्वतंत्रता के लिए प्राणों की आहुति दे दी थी लाला लाजपत राय ने

शिवकुमार शर्मा

किसी भी व्यक्ति के द्वारा स्वयं के लिए किए गए कार्यों का समापन भी व्यक्ति के संसार से विदा लेने के साथ ही हो जाता है, परंतु उसके द्वारा समाज के लिए किए गए त्याग, समर्पण, बलिदान और सामाजिक योगदान उसे अमर बनाते हैं। भारत की आजादी की जंग में अंग्रेज सरकार से जूझने वाले सेनानियों में लाल, बाल, पाल का नाम अग्रगण्य है। यह बताना प्रासंगिक होगा कि लाला लाजपतराय का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ जो अब पाकिस्तान में है, बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र के रत्नागिरि में एवं बिपिन चंद्र पाल का जन्म अविभाजित भारत के हबीबगंज सदर उप जिला अंतर्गत हुआ था जो अब बांग्लादेश में है। इस प्रकार लाल, बाल, पाल तीनों नाम एक साथ होने पर किन्हीं तीन व्यक्तियों के एक साथ होने मात्र की जानकारी ही नहीं देते अपितु तत्कालीन अखंड भारत का बोध कराते हैं।

इन तीन विभूतियों में से एक लाला लाजपत राय ने 28 जनवरी 1865 में पंजाब में (अविभाजित भारत) उर्दू फारसी के सरकारी शिक्षक मुंशी राधाकृष्ण अग्रवाल गुलाबदेवी अग्रवाल के यहां जन्म लिया। प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च माध्य विद्यालय रेवाड़ी में हुई। पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे इस लिए कानून पढ़ाई के लिए 1880 में लाहौर के कॉलेज में प्रवेश लिया। वे हिंदू समाज में जाति व्यवस्था और छुआछूत को समाप्त करने के हिमायती थे तथा निचली जातियों के लोगों को वेदऔर मंत्र पढ़ने के अधिकार के पक्षधर थे। माँ क्षय रोग से पीड़ित थीं इसलिए आम जनता के मुफ्त इलाज की व्यवस्था हेतु गुलाब देवी चेस्ट हॉस्पिटल खोला जो वर्तमान में गुलाब देवी मेमोरियल अस्पताल के नाम से पाकिस्तान के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। वे भारत की पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने वाले नेताओं में से एक थे। उनकी क्रांतिकारी लेखनी और ओजस्वी वाणी दोनों उनके प्रभाव का विस्तार किया। किसान आंदोलन का समर्थन करने के कारण फिरंगी सरकार ने 1907 में बर्मा की मांडले जेल में भेज दिया। लॉर्ड मिंटो सबूत पेश नहीं कर पाया तो उसी वर्ष वापस स्वदेश आ गए। वे अमेरिका गए,वहां उन्होंने इंडियन होम रूल लीग, मसिक पत्रिका यंग इंडिया तथा हिंदुस्तान सूचना सेवा संघ की स्थापना की। भारत आकर सक्रिय राजनीति में भाग लिया, उन्हें पंजाब केसरी का संबोधन मिला। उनका मानना था कि जीत की ओर बढ़ने के लिए हार और असफलता कभी-कभी आवश्यक घटक होते हैं। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अंग्रेजों के विरुद्ध प्रदर्शन किया असहयोग आंदोलन का पंजाब में नेतृत्व किया जिसके फलस्वरूप 1921 से 1923 के बीच लाला जी को जेल में डाल दिया गया। साइमन कमीशन का विरोध किया तो अंग्रेजों ने आंदोलनकारियों पर क्रूरतापूर्वक लाठियां बरसाई। लालाजी बुरी तरह से घायल हो गए, उन्होंने कहा मैं घोषणा करता हूं कि आज मुझ पर हुआ हमला भारत में ब्रिटिश शासन के ताबूत मेंआखिरी कील साबित होगा 17 नवंबर 1928 को भारत माँ के सपूत ने देश की स्वतंत्रता के लिए प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। श्रद्धावनत हो हम पुण्य स्मरण करते हैं।

नए भारत के निर्माण में सहायक होंगे तीनों विधान

विक्रम सिंह

गत वर्ष दिसंबर में संसद में तीन नए कानूनों का पारित होना और राष्ट्रपति द्वारा उन्हें अनुमोदित किया जाना, एक ऐतिहासिक अवसर था, जिसकी पूरे गणतंत्र को प्रतीक्षा थी। नए गणतांत्रिक बदलावों के तहत, 1860 में बनी आईपीसी को भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बनी सीआरपीसी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम दिए गए हैं। लेकिन इन बदलावों को समझने के लिए पुराने कानूनों के इतिहास को देखना जरूरी है। 1857 में भारत की स्वाधीनता के पहले संघर्ष के उपरांत इन कानूनों की नींव रखी गई थी, जिनका मौलिक उद्देश्य था कि ब्रिटेन की सामंती प्राथमिकताओं को पूरी तरह से सुदृढ़ करते हुए उसके साम्राज्यवादी हितों की पूरी तरह सुरक्षा की जाए, इसीलिए ये तीनों कानून अपने मौलिक रूप में जन विरोधी भी कहे जाते थे। इन कानूनों का न केवल मौलिक स्वरूप परिवर्तित किया गया है, अपितु सामान्य जन को केंद्र में रखते हुए समाज के दुर्बल वर्गों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन कानूनों को नए रूप में नए नाम के साथ गौरवशाली राष्ट्र को समर्पित किया गया है।

भारतीय गणतंत्र में विचारों के आदान-प्रदान का खास महत्व है। यही प्रक्रिया नए कानूनों के निर्माण में भी अपनाई गई। पुराने

कानूनों में बदलावों को प्रस्तावित करने वाली संसदीय समिति ने व्यापक भ्रमण, विचार-विमर्श, मंथन बैठकों आदि के माध्यम से सामाजिक परिवेश में जो अनिवार्यता थी तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर जो दिशा निर्देश दिए थे, उन सभी का समावेश इन तीनों नए कानून में किया है। देश भर के विधि व अन्य विश्वविद्यालयों, विद्यार्थियों, महिला संगठनों, मानवाधिकार संगठनों, अधिवक्ताओं और फॉरेंसिक विज्ञान के विशेषज्ञों के साथ विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श और व्यावहारिकता को दृष्टिगत रखकर चरणबद्ध बैठकें हुईं। समाज के प्रत्येक वर्ग के विचारों एवं परामर्श पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया और जन अपेक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए इन तीनों नए कानून में क्रांतिकारी परिवर्तन किए गए हैं। उग्र भीड़ द्वारा सामूहिक रूप से की जाने वाली हत्या यानी मॉब-लिंचिंग को अब अपराध की श्रेणी में रखा गया है और कठोरतम दंड (मृत्यदंड) प्रस्तावित किया गया है।

न्याय संहिता में राजद्रोह और देशद्रोह में फर्क स्पष्ट किया गया है, जहां राजद्रोह अब दंडनीय अपराध नहीं है, परंतु देशद्रोह दंडनीय अपराध होने के साथ-साथ इसके लिए सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान रखा गया है। विवाह का लालच देकर धोखे एवं छल से किसी महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाना अथवा उसका यौन शोषण करने पर 10 वर्ष के कठोर कारावास के दंड का प्रावधान किया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में भी बदले हुए परिवेश और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न प्रकार की तकनीक का प्रयोग किया गया है जैसे, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, अभिलेखों का डिजिटाइजेशन, पीड़िता के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग आदि अनिवार्य कर दी गई है, जिससे कि साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ न हो सके।

सीआरपीसी की धारा 41ए के स्थान पर धारा 35 एक अति महत्वपूर्ण धारा है, जिसमें यह व्यवस्था है कि कोई भी गिरफ्तारी बिना वरिष्ठ अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना संभव नहीं हो पाएगी, जिससे थाना स्तर पर आए दिन हो रहे अधिकारों को दुरुपयोग पर नियंत्रण हो सकेगा। प्रथम सूचना पंजीकृत करना एक अत्यंत दुष्कर कार्य है, जिसके बारे में सामान्य जनता पीड़ित दिखाई पड़ती है। दया याचिका में भी बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसके अनुसार, राष्ट्रपति के समक्ष 60 दिन में और राज्यपाल के समक्ष 30 दिन में याचिका प्रस्तुत हो जानी चाहिए और राष्ट्रपति के निर्णय के उपरांत वह निर्णय किसी भी न्यायालय के कार्य क्षेत्र में नहीं आएगा।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम को सुदृढ़ करते हुए पुराने अधिनियम की 23 धाराओं को संशोधित किया गया है और 170 धाराओं में वर्तमान कानून को शुद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है। ये तीनों नए कानून किसी क्रांति से कम नहीं है और इस गणतंत्र दिवस पर देश के जन-जन को एक अमूल्य वरदान की तरह हैं। इससे समाज के दुर्बल वर्ग को तो राहत मिलेगी ही, अपितु जो सामंती प्राथमिकताओं को प्रशस्त करने वाले कानून थे, उन्हें समाप्त कर सुदृढ़ कानून व्यवस्था के जरिये एक नए भारत के निर्माण में भी सहायक होंगे।

आज का इतिहास

1819 सर स्टैमफोर्ड रैफल्स ने सिंगापुर की खोज की।
1821 अलेक्जेंडर द्वीप, अंटार्कटिका का सबसे बड़ा द्वीप, रूसी खोजकर्ता फैबियन गोटलिब वॉन बेलिंग्सहॉसन द्वारा खोजा गया था।
1846 ऑलवाल की लड़ाई में ब्रिटिश ने पंजाब के सिखों को हराया।
1851 इलिनोइस में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की स्थापना की गयी।
1859 ओलंपिया शहर को संयुक्त राज्य अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में शामिल किया गया।
1878 अमेरिका के न्यू हेवन में पहला टेलीफोन एक्सचेंज बना।
1902 वॉशिंगटन डी.सी. में कार्नेगी इंस्टीट्यूशन की स्थापना हुई।
1922 वाशिंगटन, डी.सी. में सबसे बड़ी दर्ज की गई बर्फबारी से हुई बर्फबारी। इतिहास के कारण नॉकरबॉकर थियेटर की छत गिर गई, जिससे 98 लोग मारे गए।
1935 आइसलैंड गर्भपात को वैध घोषित करने वाला पहला पश्चिमी देश बना।
1958 डेनिश खिलौना कंपनी लेगो ग्रुप ने लेगो ईंटों के अपने डिजाइन का पेटेंट कराया।
1960 चीन और बर्मा (अब म्यांमार) ने दोनों देशों के बीच की सीमा को निर्दिष्ट करने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
1961 एचएमटी घड़ियों की पहली फैक्ट्री की आधारशिला बेंगलुरु में रखी गयी।
1964 एक प्रशिक्षण मिशन पर एक निहत्थे अमेरिकी वायु सेना के टी -39 सब्रेलाइनर को सोवियत मिग -19 द्वारा पूर्वी जर्मनी के एरफर्ट पर गोली मार दी गई, जिससे तीनों मारे गए।
1981 रोनाल्ड रीगन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में शेष घरेलू पेट्रोलियम मूल्य और आवंटन नियंत्रणों को नियंत्रित किया और 1979 के ऊर्जा संकट को समाप्त करने और 1980 के दशक में तेल की चमक को शुरू करने में मदद की।
1982 42 दिन पहले इतालवी रेड ब्रिगेड द्वारा अपहरण किए जाने के बाद, संयुक्त राज्य सेना के जनरल जेम्स एल डोजियर को आतंकवाद विरोधी बल एनओसीएस द्वारा मुक्त कर दिया गया था।
1984 ट्रॉपिकल स्टॉर्म डोमोइना ने दक्षिणी मोज़ाम्बिक में भूस्खलन किया, जिससे इस क्षेत्र में सबसे अधिक बाढ़ आई।
1986 अंतरिक्ष यान चैलेंजर अपनी 10वीं उड़ान भरने के 73 सेकंड बाद हुए विस्फोट में नष्ट हो गया, इसमें सवार सभी 7 अंतरिक्षयात्री मारे गए।
1991 18 वें अमेरिकी संगीत पुरस्कार ने घोषणा की कि एचसी हैमर और जेनेट जैक्सन के पास पुरस्कार की कमी है।

पाकिस्तान ऐसा पड़ोसी, जिसे हर कोई बदलना चाहेगा

अभिनय आकाश

अक्सर ये कहा जाता है कि अगर हमारे पड़ोसी अच्छे हैं तो हमारी रोजमर्रा की कई छोटी-बड़ी बातों की फिक्र यूं ही खत्म हो जाती है। यही फॉर्मूला देशों पर भी लागू होता है। अब अगर पड़ोस के घर में आग लगी हो तो इस पर आंखें मूंदने से इसकी लपटें हमारे घरों को भी अपनी चपेट में ले सकती हैं। इसलिए आज भारत के एक ऐसे पड़ोसी देश के बारे में बात करेंगे जिसके बारे में मई 2003 में पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी नहीं। हालांकि, मौका मिलने पर पाकिस्तान एक ऐसा पड़ोसी है जिसे हर कोई बदलना चाहेगा। कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्ते हमेशा से खराब रहे हैं। यह परंपरागत रूप से भारत में आतंक का निर्यात करता रहा है जबकि यहां से खाद्य उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक कच्चे माल का आयात करता रहा है। भारत को हमेशा खतरा मानने वाला पाकिस्तान अपनी सेना पर जुनूनी तरीके से पैसा खर्च करता रहा है। एक पल के लिए भारत को साइड रख दें, आइए जानते हैं कि पाकिस्तान के अपने अन्य पड़ोसियों के साथ कैसे संबंध हैं?

पाकिस्तान की सीमाएँ अफ़ग़ानिस्तान और ईरान से लगती हैं। ईरान और अफगानिस्तान दोनों ही इस्लामिक देश हैं। पाकिस्तान की तरह, अफगानिस्तान एक सुन्नी बहुल देश है जबकि ईरान एक शिया देश है। पाकिस्तान के अपने किसी भी पड़ोसी देश के साथ रिश्ते सौहार्दपूर्ण नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से भारत के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर ज्यादातर शांति है। जबकि अफगानिस्तान और ईरान

से लगी इसकी सीमाएं गर्म हो गई हैं। ईरान ने 16 जनवरी को पाकिस्तानी धरती पर बड़ा हमला किया। ईरानी हमले सुन्नी-बलूच आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए थे। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर शहर में जैश अल-अदल के ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई, जिसकी इस्लामाबाद ने कड़ी निंदा की। 17 जनवरी को जारी पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के एक बयान में इन हमलों को ईरान द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन कहा गया। हमलों को पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए चेतावनी दी गई कि इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

पाकिस्तान और ईरान की साझा 904 किलोमीटर की सीमा वाला क्षेत्र मादक पदार्थों की तस्करी और उग्रवाद का केंद्र है। यह बलूचिस्तान क्षेत्र है, जो दोनों देशों में फैला हुआ है और सांप्रदायिक मतभेदों और बलूची अलगाववादी गतिविधियों ने स्थिति को बदतर बना दिया है। अमेरिका और ईरान द्वारा नामित सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल का दक्षिणपूर्वी ईरान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का एक लंबा इतिहास है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के अनुसार, आतंकवादी समूह 2013 से ईरान में नागरिकों और सरकारी अधिकारियों पर घात लगाकर हमला, हत्या, हमले, हिट-एंड-रन छापे, अपहरण में शामिल रहा है। अक्टूबर 2013 में समूह ने 14 ईरानी सीमा रक्षकों की हत्या कर दी। 2019 में इसने ईरान के अर्धसैनिक समूह, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पर आत्मघाती हमला किया, जिसमें 27 कर्मी मारे गए। उसी वर्ष उसने 14 ईरानी सुरक्षाकर्मियों का भी अपहरण कर लिया। यह कहने की जरूरत नहीं है कि दोनों देशों के बीच सुन्नी-शिया सांप्रदायिक विभाजन कड़वे रिश्ते के केंद्र में है। हालाँकि, यदि आप समीकरण से सांप्रदायिक विभाजन को हटा दें, तो भी पाकिस्तान के अपने पड़ोसियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहे हैं, और अफगानिस्तान के साथ उसके संबंध इसका प्रमाण हैं।

आइए अगस्त 2021 की ओर रुख करें। यही वह समय था जब अमेरिकी सेना और नाटो सहयोगी उत्तर पश्चिम में पाकिस्तान के दूसरे पड़ोसी अफगानिस्तान को छोड़ रहे थे। तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधान मंत्री इमरान खान ने तालिबान के सत्ता पर कब्ज़ा करने के बाद अफ़गानों द्वारा गुलामी की बेड़ियाँ तोड़ने के रूप में अमेरिकी निकास की सराहना की। पाकिस्तान ने ऐतिहासिक रूप से तालिबान का समर्थन किया था जैसा कि उसने दर्जनों आतंकवादी संगठनों के साथ किया था। आज तक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चीजें वैसी नहीं हैं जैसी कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान सहित कई लोगों ने आशा की थी। ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान में तालिबान पाकिस्तान के लिए फ्रेंकस्टीन का राक्षस बनता जा रहा है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में खटास पैदा करने वालों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की गतिविधियां सबसे महत्वपूर्ण हैं। तालिबान पर पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का समर्थन करने के आरोपों के कारण संबंधों में तनाव आ गया है। कांग्रेस की सुनवाई में अमेरिका के विशेष अफगान दूत थॉमस वेस्ट ने स्थिति का सारांश देते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ तालिबान के संबंधों में सुरक्षा मुद्दे हावी हैं, जिससे आपसी आरोप-प्रत्यारोप और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

भारत के साथ पाकिस्तान का रिश्ता, जिसे वह कट्टर प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है, कोई रहस्य नहीं है। भारत द्वारा 2019 में जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने के बाद, रिश्ते ठंडे से ठंडे में बदल गए। पाकिस्तान, जिसका इस मुद्दे पर कोई अधिकार नहीं है, इसका विरोध किया और फैसले को एकतरफा बताया है। लगभग निष्क्रिय और निम्नीकृत राजनयिक संबंध और व्यापार का निलंबन सब कुछ कह देता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि दोनों देशों ने फरवरी 2021 से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अपेक्षाकृत शांति देखी है। भारतीय सेना और पाकिस्तानी सेना के बीच संघर्ष विराम समझौते से पहले, एलओसी पर लगातार गोलाबारी और गोलीबारी देखी गई थी। सीमा पार से घुसपैठ, ड्रोन से घुसपैठ और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से गोलीबारी की कुछ घटनाएं जारी हैं। नहीं, पाकिस्तान की चीन के साथ कोई जमीनी सीमा नहीं है। हालाँकि, ज़मीनी स्तर पर, वे विवादित शक्सगाम घाटी के माध्यम से व्यापार और लोगों से लोगों का आदान-प्रदान करते हैं, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का एक हिस्सा है, जिसे 1963 में चीन को सौंप दिया गया था। वास्तव में, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) दोनों को जोड़ता है। संपूर्ण पीओके और अक्साई चिन भारत का अभिन्न अंग हैं।

मालदीव पर तेजी से बढ़ रहा चीनी प्रभाव

नीरज कुमार दुबे

चीन और मालदीव की बढ़ती निकटता का और प्रत्यक्ष सबूत देते हुए मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने जो कुछ कहा है उस पर सबको ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा, चीनी राजदूत जिस तरह प्रभावी भूमिका में काम करती दिख रही हैं उससे साफ प्रदर्शित हो रहा है कि माले की सरकार अब बीजिंग से ही संचालित हो रही है। इस सबके चलते मालदीव में इस समय की जो राजनीतिक स्थिति है वह दर्शा रही है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू तेजी से जनाधार खोते जा रहे हैं, मगर इस हकीकत से वाकिफ होने के बावजूद वह चीन की ओर झुके चले जा रहे हैं। इस समय देश के विकास या भविष्य की योजनाओं के बारे में मालदीव के मंत्रियों से ज्यादा चीन की राजदूत के बयान आ रहे हैं जो दर्शा रहे हैं कि बीजिंग माले पर कितना प्रभाव बढ़ा चुका है। इस सबके बीच वह कारण भी सामने आ गया है जिसके चलते राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत को 15 मार्च तक अपने सैनिकों को वापस बुलाने के लिए कहा है। जहां तक माले पर बढ़ते चीनी प्रभाव की बात है तो आपको बता दें कि चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू की हालिया आधिकारिक चीन यात्रा को दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बताया है। मीडिया से बात करते हुए चीनी राजदूत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यात्रा के दौरान देशों के बीच व्यापक पहल पर बीस समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि यह चीन और किसी भी देश के बीच एक ही यात्रा में सबसे अधिक समझौते हैं और मालदीव के लिए भी यही सच है। हम आपको बता दें कि चीन और मालदीव के बीच हस्ताक्षरित बीस एमओयू में विभिन्न विकास परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा चीनी राजदूत ने चीन द्वारा मालदीव को दिए जा रहे 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान के बारे में भी बात की, जिसके बारे में राष्ट्रपति मुइज्जू ने ऐलान किया था। वांग लिक्सिन ने बताया, यह अनुदान चीन की ओर से मालदीव के लिए एक उपहार है क्योंकि इसका उपयोग परियोजनाओं पर किया जाना है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह मालदीव की सरकार पर निर्भर है कि वह किस परियोजना पर इस अनुदान राशि को खर्च करेगी। हम आपको बता दें कि मालदीव सरकार ने पहले कहा था कि अनुदान का एक हिस्सा माले और विलेमाले में सड़कों के विकास के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, जहां तक मालदीव की ओर से चीन से ज्यादा पर्यटक भेजने का आग्रह किये की बात है तो इस दिशा में भी चीन ने मदद शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि चीन से इस साल की पहली चार्टर उड़ान 14 फरवरी को मालदीव पहुंचने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि मांग के आधार पर चीनी एयरलाइन सीधी वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करेगी जिससे टिकट की कीमतें कम हो जाएंगी। माले में चीनी राजदूत का मानना है कि इस कदम से अधिक चीनी पर्यटक मालदीव जाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। बताया जा रहा है कि चीन और मालदीव के बीच इन उड़ानों के विवरण को अंतिम रूप देने पर विचार-विमर्श के लिए आने वाले महीनों में चीन के विशेष प्रतिनिधि मालदीव का दौरा करेंगे। इसके अलावा, चीनी राजदूत ने इस बात की पुष्टि भी की कि कई चीनी कंपनियों ने रासमाले (फुशिदिग्गारु फाल्हू) आवास परियोजना से जुड़ने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही चीनी कंपनियों के प्रतिनिधि माले पहुँचेंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को सर्वोत्तम तरीके से कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है, इस पर हमारी निगाह बनी हुई है और जल्द ही इस संदर्भ में विचार-विमर्श करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के मालदीव पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा, चीनी राजदूत ने कहा कि मालदीव का विदेश मंत्रालय दोनों देशों के बीच हुए समझौतों के तहत आने वाली सभी योजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है।

बसपा में सीटिंग एमपी की जगह नये चेहरों की तलाश

अजय कुमार

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अकेले चुनाव लड़ने के फैसले के साथ ही सीटवार कसरत तेज कर दी है। बसपा का सबसे पहले उन 10 सीटों पर फोकस है, जिन पर उसने 2019 में जीत हासिल की थी। उसके वर्तमान सांसदों के दूसरे दलों के संपर्क में आने की खबरें आ रही हैं। इसे देखते हुए बसपा उनके विकल्प तलाश रही है। सूत्रों के अनुसार बसपा ज्यादातर सीटों पर प्रभारी तय कर चुकी है। सहारनपुर की सीट पर माजिद अली को काफी पहले प्रभारी घोषित किया जा चुका है, लेकिन उसके बाद यह काम रोक दिया गया था। मायावती ने अब प्रत्याशियों के चयन पर और अधिक काम करने के निर्देश दिए हैं। पूरी कसरत करने के बाद ही प्रत्याशियों का ऐलान किया जाएगा। पार्टी उन खास सीटों पर भी काम कर रही है जहां 35 और 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए थे। गौरतलब हो, बसपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था. उसने 38 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से जीती हुई सीटों के अलावा 10 और सीटें ऐसी थीं जिन पर उसे 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए। यहां बहुत कम वोटों के अंतर से हार मिली थीं। वहीं जीती हुई सीटों के अलावा 21 सीटें ऐसी थीं, जहां 35 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। पार्टी ने ऐसी सीटें भी तलाशी हैं जहां दलित वोटर बहुसंख्यक हैं और यहां बसपा का प्रदर्शन अक्सर बेहतर रहता है। इनमें सहारनपुर, अम्बेडकर नगर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, आगरा जैसी कुछ सीटें हैं। पार्टी की कोशिश है कि ऐसे मजबूत सीटों पर बेहतर प्रत्याशी देकर वहां ठीक से प्रचार किया जाए। यहां पर बड़े नेताओं की अधिक से अधिक बैठकें और सभाएं की जाएं। खैर, बसपा भले ही इस बार अकेले ही चुनाव मैदान में उतर रही हो, लेकिन बसपा प्रमुख ने यह भी कहा है कि चुनाव बाद अपनी शर्तों पर सरकार में शामिल हो सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बसपा अपनी रणनीति तैयार कर रही है। कोशिश है मजबूत सीटों पर फोकस कर लिया जाए तो प्रदर्शन बेहतर हो सकता है। इनमें सबसे बड़ी चुनौती वह सिटिंग सीटें हैं, जहां वह पिछली बार जीती थी। यदि वह कुछ सीटें भी जीत लेती है तो यह चुनाव बाद उसकी योजना के लिए जरूरी है। यदि चुनाव नतीजे आने के बाद किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो कुछ सीटों के दम पर वह उसके साथ जा सकती है, जिसकी सरकार बनने की उम्मीद हो। ऐसे में वह सरकार में शामिल हो सकती है।

ताइवान के चुनाव परिणामों के बाद बहुत कुछ दांव पर

शिव शरण शुक्ला

जहां तक वैश्विक दृष्टिकोण का सवाल है, यदि 2023 एक मुश्किल वर्ष था, तो 2024 में भी संभावनाएं बेहतर नहीं दिख रही हैं। जैसा कि हम साफ देख सकते हैं, ऐसा लगता है कि दुनिया कम सुरक्षित होगी, क्योंकि तनाव के कई और कारण सामने आने वाले हैं। भू-रणनीतिक नजरिये से उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आती। यूक्रेन युद्ध में फिलहाल गतिरोध दिखाई दे रहा है, लेकिन यह %महत्वपूर्ण मोड़% पर प्रतीत होता है। दो वर्षों के संघर्ष के बाद रूस और पश्चिम, दोनों थके हुए दिखाई देते हैं, जिससे इसके खत्म होने के कुछ संकेत दिखाई देते हैं। रणनीतिकारों को चिंता है कि एक या दूसरा पक्ष मामले को बढ़ाने का फैसला कर सकता है और युद्ध को अपने पक्ष में निपटाने के लिए और भी अधिक खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है, जैसे अंतिम हथियार के रूप में परमाणु हथियारों का। इस बीच यूक्रेन के नेता लगातार भड़काऊ बयान दे रहे हैं, जिससे संघर्ष की आग और भड़क रही है।

उतनी ही खतरनाक स्थिति पश्चिम एशिया में है। इस्राइल-हमास संघर्ष एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो रहा है, जिसमें परोक्ष रूप से एक तरफ इस्राइल, अमेरिका और पश्चिम है, तो दूसरी तरफ पूरा अरब जगत है। स्थिति बेहद विस्फोटक होती जा रही है, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है कि कोई भी पक्ष विवेकपूर्ण आवाजों को सुन रहा है या समाधान तलाशने की कोशिश कर रहा है। ज्यादा से ज्यादा देश खुलेआम इस्राइल पर नरसंहार का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन इस्राइल के मौजूदा नेता पर इसका कोई असर नहीं हो रहा है। भारत जैसे देश, जिन्हें आम तौर पर मध्यस्थ की भूमिका निभानी चाहिए, खुद को हाशिये पर पाते हैं।

उपरोक्त दोनों क्षेत्रों के मुकाबले हिंद-प्रशांत क्षेत्र ज्यादा शांत लग सकता है, लेकिन ताइवान का मुद्दा जिस तरह बढ़ रहा है, उसमें इसके तीसरे विश्वयुद्ध में बदलने की बड़ी आशंका है। अब तक हालांकि चीन ने संयम दिखाया था, लेकिन ताइवान में कट्टर चीन विरोधी के चुनाव जीतने के बाद चीन न सिर्फ ज्यादा आक्रामक हुआ है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए और भी आक्रामक हो सकता है कि ताइवान उसकी नाक के नीचे एक शत्रुतापूर्ण क्षेत्र न बन जाए। यह संघर्ष इतना बड़ा और जटिल है, जो विभिन्न देशों को चीन समर्थक या चीन विरोधी बनने के लिए मजबूर कर रहा है।

हालांकि एशिया के अधिकांश देश इस संघर्ष में नहीं पड़ना चाहेंगे। भारत भले ही चीन समर्थक या चीन-विरोधी रुख न अपनाना चाहे, लेकिन इस मामले में उसकी स्थिति बेहद असहज हो सकती है। लेकिन चीन को लगता है कि क्वाड का सदस्य होने, और चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद में शामिल होने के कारण भारत प्रबल चीन-विरोधी और अमेरिका समर्थक है। यह स्थिति पहले से ही भारत को अधिकांश अन्य एशियाई देशों, खासकर दक्षिण पूर्व व पूर्वी एशिया के देशों के साथ मुश्किल में डाल रही है, जिससे भारत निश्चित रूप से बचना चाहेगा।

ऐसे में जब अधिकांश देशों के लिए वैश्विक दृष्टिकोण उतना अच्छा नहीं दिखता है, तब भारत का भी बहुत कुछ दांव पर है, क्योंकि तटस्थता और गुटनिरपेक्षता की उसकी नीति सवालों के घेरे में है। कई देशों द्वारा गुटनिरपेक्षता को एक विफल सिद्धांत के रूप में देखा जाने लगा है, जो हाल के वर्षों में तेज आर्थिक प्रगति करने वाले भारत के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में, विदेशी संबंधों के मामले में 2024 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

चीन भी इसी तरह की दुविधा में हो सकता है, क्योंकि उसकी सैन्य शक्ति बरकरार रहने के बावजूद चीनी अर्थव्यवस्था जिस कठिन दौर से गुजर रही है, वह एशियाई क्षेत्र में भी अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन को चुनौती देने की उसकी क्षमता को सीमित कर देती है। भारत के नजरिये से एक खतरा यह है कि ऐसी स्थिति में चीन भारत-चीन सीमा पर विवाद को फिर से बढ़ाने जैसी ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले सकता है, ताकि यह प्रदर्शित कर सके कि वह अब भी अपनी ताकत दिखा सकता है।

फिर भी भारत के लिए वर्ष 2024 में कुछ हिस्सों के लिए अच्छा हो सकता है। इस साल के अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी के लिए अच्छी संभावनाएं दिख रही हैं, लेकिन चुनाव के बाद का परिदृश्य ज्यादा संतोषजनक नहीं हो सकता है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच दूरियां न केवल बढ़ रही हैं, बल्कि तीव्र आंतरिक कलह और अशांति की आशंकाएं भी पैदा हो रही हैं। इसके अलावा, हालांकि आतंकी हमलों जैसा बड़े पैमाने पर हिंसा का कोई खतरा नहीं दिखता है, लेकिन मणिपुर जैसे परिधीय इलाके अशांत बने हुए हैं। इससे पहले की इस धारणा की दोबारा पुनरावृत्ति हो सकती है कि दिल्ली और देश के सीमावर्ती इलाकों के बीच दूरी बनी हुई है और शायद अधिक व्यापक हो सकती है।

इसलिए स्थिति पर सावधानी से नजर रखनी होगी, क्योंकि माहौल अत्यधिक तनावपूर्ण है। सतही शांति मौजूद भावनाओं की तीव्रता को छिपा देती है। इसके अलावा भी कुछ पहलू हैं, जिन पर सावधानी पूर्वक विचार करने की जरूरत है। जैसे, इस तर्क के साथ कि अनुच्छेद 370 एक संक्रमणकालीन प्रावधान था, लिहाजा उक्त अनुच्छेद को निरस्त करने की राष्ट्रपति की शक्ति को बरकरार रखने वाले सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले से उत्पन्न स्थिति को कैसे नियंत्रित किया जाता है, यह देखना होगा, जिससे कि इसे देशव्यापी आंदोलन का एक आधार बनने से रोका जा सके।

इस तथ्य पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि सामाजिक समूहों को विभाजित करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग और सामाजिक विखंडन का किस हद तक उपयोग किया जा रहा है; लेकिन आम चिंता के प्रमुख मुद्दों पर बहुत कम बहस हो रही है या कोई बहस नहीं हो रही। इसके अलावा, यह भी आशंका है कि इस बार के चुनाव में कुछ?समूहों की ताकत और गतिशीलता बढ़ाकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चुनाव परिणामों को निर्धारित करने में एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

राम विवाद नहीं, समाधान हैं, मोदी के कथन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा जाना चाहिए

ललित गर्ग

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम मंदिर के सफल प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और एक धन्यवाद प्रस्ताव में कहा कि लोगों द्वारा उनके प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह ने उन्हें 'जननायक' के रूप में स्थापित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पढ़े गए इस प्रस्ताव में मोदी को एक नए युग का अग्रदूत बताया गया। क्योंकि उन्हीं की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या में संपन्न कार्यक्रम में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। निश्चित ही मोदी अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं। श्रीरामलला के नूतन विग्रह में प्राण-प्रतिष्ठा की अपूर्व एवं अलौकिक घटना भारत के लिये युगांतरकारी है। हम एक नये युग में पदार्पण कर रहे हैं। यह नवयुग एवं नया दौर आशा और विश्वास के साथ ही जिम्मेदारियों से भरा है।

नरेन्द्र मोदी के महान एवं ऊर्जस्वल व्यक्तित्व को एक राजनीतिक दल के सर्वोच्च नेता के सीमित दायरे में बांधना उनके व्यक्तित्व को सीमित करने का प्रयत्न है। उन्हें नए राष्ट्र का निर्माता कहा जा सकता है। मोदी जैसे व्यक्ति दो-चार नहीं, अद्वितीय होते हैं। उनका गहन चिन्तन राष्ट्र के आधार पर नहीं, वरन् उनके चिन्तन में राष्ट्र अपने को खोजता है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के माध्यम से स्वस्थ मूल्यों को स्थापित करके राष्ट्र को सजीव एवं शक्तिसम्पन्न बनाने का प्रयत्न किया है। राष्ट्र-निर्माण की कितनी नयी-नयी कल्पनाएं उनके मस्तिष्क में तरंगित होती रहती हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा उनके ही संकल्पों की निष्पत्ति है। इसके साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा की यह तारीख आने वाले हजारों वर्षों के लिये एक उजाला एवं संकल्प बनते हुए नये इतिहास का सृजन करने वाली शुभ एवं श्रेयस्कर गति है। जैसा कि नरेन्द्र मोदी ने कहा है, 'यह नये इतिहास-चक्र की भी शुरुआत' है। इस अवसर पर दिये गये संबोधन में मोदी ने अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' को एक नया आयाम भी दिया है। नरेन्द्र मोदी केवल व्यक्तियों के समूह को राष्ट्र मानने को तैयार नहीं हैं। उनकी दृष्टि में राष्ट्र के सदस्यों में निम्न विशेषताओं का होना आवश्यक है जिस राष्ट्र के सदस्यों में इस्पात-सी दृढ़ता, संगठन में निष्ठा, चारित्रिक उज्ज्वलता, कठिन काम करने का साहस और उद्देश्य पूर्ति के लिए स्वयं को झोंकने का मनोभाव होता है, वह राष्ट्र अपने निर्धारित लक्ष्य तक बहुत कम समय में पहुंच जाता है। कहा जा सकता है कि नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र-चिंतन में जो क्रांतिकारिता, परिवर्तन एवं नये दिशाबोध हैं, वे राष्ट्र के चिंतकों को भी चिंतन की नयी खुराक देने में समर्थ हैं।

अयोध्या में मोदी ने अपने संबोधन में कहा है, 'राम विवाद नहीं, समाधान है'। उनके इस कथन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए कि श्रीराम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, बल्कि उन्हें

सुशासन का प्रतीक पुरुष एवं शासक समझने में भी है। तभी हमारा राष्ट्र राजनीतिक विसंगतियों से मुक्त होकर सुशासन का आधार बन सकता है। जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए।

प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा इस सोच और संकल्प के साथ आयोजित हुआ है कि हमें कुछ नया करना है, नया बनना है, नये पदचिह्न स्थापित करने हैं। बीते वर्षों की कमियों पर नजर रखते हुए उन्हें दोहराने की भूल न करने का संकल्प लेना है। हमें यह संकल्प करना और शपथ लेनी है कि आने वाले वर्षों में हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो हमारे उद्देश्यों, उम्मीदों, उमंगों और आदर्शों पर प्रश्नचिह्न टांग दे। अपनी उपलब्धियों का अंकन एवं कमियों की समीक्षा कर इस अवसर पर हर व्यक्ति अपनी विवेक चेतना को जगाकर अपने भाग्य की रेखाओं में राष्ट्रीयता और जिजीविषा के रंग भरें, सामंजस्य एवं सहिष्णुता को जीवन के व्यवहार में उतारने का अभ्यास करें। केवल अपनी भावनाओं को ऊंचा स्थान दे, वह स्वार्थी होता है। स्वार्थी होने की कीमत चुकानी ही पड़ती है। दूसरों की भावना के प्रति उदार बनें। उदार होने का मतलब है आप किसी के कहे बिना भी उनकी भावनाओं को समझें। उसके बारे में सोचें, विचारें। इससे आपके जीने का अंदाज बदल जायेगा। यही जीने की आदर्श शैली का प्रशिक्षण प्राण-प्रतिष्ठा महा-महोत्सव का हार्द है।

समूचा देश 'राममय' हो रहा है, इस ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय अवसर पर अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना ज़रूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, अर्थ के नाम पर, भाषा के नाम पर होने वाला कोई भी विभाजन 'राम-राज्य' में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है, जो स्वाभाविक भी है। पर हमें इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा भी था 'जोश के माहौल में होश की बात' करनी ज़रूरी है। यह होश ही वे किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। जीवन का पड़ाव चाहे संसार हो या संन्यास, सीमा, संयम एवं मर्यादा जरूरी है। मर्यादा जीवन का पर्याय है। धरती, अंबर, समन्दर, सूरज, चांद-सितारें, व्यक्ति, धर्म एवं समाज सब अपनी-अपनी सीमाओं में बंधे हैं। जब भी उनकी मर्यादा एवं सीमा टूटती है, प्रकृति प्रलय एवं समाज अराजकता में परिवर्तित हो जाता है। प्रभु श्रीराम के जीवन का कण-कण हमें मर्यादा की बात सिखा रहा है। अपेक्षा है, मानव अनुशासन और संयम को अपनाकर जीवन को संवारे। प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा का यह पावन अवसर सबको यही संदेश देता है कि संयम, सहिष्णुता एवं समानता से ही समस्याओं का निपटारा संभव है। पथभ्रान्त पथिक के लिये मर्यादा ही सच्चा पथदर्शन बनेगी। युग की उफनती समस्याओं की नदी मर्यादा की मजबूत नाव से ही पार की जा सकेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की इस भूमि पर मर्यादा को स्थापित करने और उसे गौरवान्वित करने की इस विलक्षण एवं अनूठी घटना से हम सभी प्रेरित हो, विनाश का ग्रास बनती इस ऊर्वरा भारत-भू को विकास के शिखर पर चढ़ाएं। सहिष्णुता यानि सहनशीलता। दूसरे के अस्तित्व को स्वीकारना, सबके साथ रहने की योग्यता एवं दूसरे के विचार सुनना-यही शांतिप्रिय एवं सभ्य समाज रचना एवं रामराज्य का आधारसूत्र है और इसी आधारसूत्र को नये भारत का संकल्पसूत्र बनाना है। परिवार, गांव, समाज जैसी संस्थाएं टूट रही हैं। रिश्ते समाप्त हो रहे हैं। आत्मीयता समाप्त हो रही है। तथाकथित विकास के रास्ते पर जो हम चल रहे हैं वह केवल बाहरी/भौतिक है, जो सहिष्णुता के आसपास पनपने वाले सभी गुणों से हमें बहुत दूर ले जा रहा है। आधुनिक संचार माध्यमों के कारण जहां दुनिया छोटी होती जा रही है, वहीं मनुष्य ने अपने चारों तरफ अहम् की दीवारें बना ली हैं, जिसमें सहिष्णुता के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों में फैलता वैचारिक एवं अनैतिक प्रदूषण, आर्थिक अपराधीकरण, रीति-रिवाजों में अपसंस्कृति का अनुसरण, धार्मिक संस्कारों से कटती युवापीढ़ी का रवैया, समाज-राष्ट्र में बढ़ता सत्ता, प्रतिष्ठा और धन का अन्धाधुन्ध आकर्षण जैसे जीवन-सन्दर्भों के साथ किसी भी कीमत पर समझौता न कर हम समझ के साथ प्रभु श्रीराम के जीवन-आदर्शों को बहुमान दें। तभी रामराज्य की बुनियाद पर समाज एवं राष्ट्र को नई प्रतिष्ठा एवं नई दिशा मिल सकेगी।

ऋतिक-अनिल की फाइटर ने दूसरे दिन 41.20 करोड़ की कमाई की

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी धमाकेदार एरियल एक्शन ड्रामा फाइटर 25 जनवरी को सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज हो चुकी है । ऋतिक रोशन, अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ग्रोवर की फाइटर को न केवल फ़िल्म क्रिटिक्स बल्कि दर्शकों ने भी पॉजिटिव रिस्पांस दिया है, नतीजतन फ़िल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिलीज के पहले दिन से ही शानदार कमाई कर रही है । फ़िल्म की कमाई में 70% का उछाल देखने को मिला। सिद्धार्थ आनंद की फाइटर ने भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के दौरान भी सिनेमाघरों में अपनी कमाई से एक नया इतिहास रच दिया । फाइटर ने अपनी रिलीज के पहले दिन, वर्किंग डे होने के बावजूद 24.60 करोड़ की ओपनिंग की, जो सभी की उम्मीदों से कही ज्यादा है । जबकी फिल्म ने बहुत सारे शानदार रिव्यू और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के बाद रिलीज के दूसरे दिन यानी गणतंत्र दिवस पर फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त कमाई की ।

शुक्रवार यानी 26 जनवरी के दिन फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर 41.20 करोड़ का कलेक्शन किया । और महज़ दो दिनों में फ़िल्म का कलेक्शन कुल 65.80 करोड़ रू तक पहुँच गया है । उम्मीद जताई जा रही है कि, फ़िल्म आज यानी अपनी रिलीज के तीसरे दिन 100 करोड़ रू का आकंडा पार कर सकती है । इतना ही नहीं अपने फ़र्स्ट वीकेंड पर भी फाइटर बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने के लिए तैयार है। फिल्म के दोपहर और शाम के शोज को देखने ज्यादा जनता पहुंच रही है। इसके नाइट शोज की ऑक्यूपेंसी भी अच्छी चल रही है । देश में ही नहीं विदेशों में भी फाइटर को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है । फ़ाइटर ने भारत में अब तक 65.80 करोड़ रू का नेट कलेक्शन किया है, जबकि ग्रॉस 78.33 करोड़ रू रहा है । वहीं ग्रॉस ओवरसीज़ कलेक्शन 21.61 करोड़ रू रहा । इस तरह फाइटर वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन 99.94 करोड़ रू तक पहुँच गया है । सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में और वायकॉम 18 स्टूडियोज और माफ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से प्रस्तुत फाइटर एक सिनेमाई अनुभव है । यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स को देशभक्ति के उत्साह के साथ सहजता से पेश करती है ।

विक्की की हरकतों से नाराज हुईं अंकिता, रोहित शेट्टी के सामने बोलीं - थप्पड़ खाएगा वो जोर का

सलमान खान का कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 17 अब अपने फिनाले से सिर्फ एक कदम की दूरी पर है। सीजन के आखिरी वीकएंड का वॉर में मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी बिग बॉस के शो में बतौर होस्ट नजर आएं। शो की होस्टिंग के दौरान उन्होंने घर में बचे प्रतियोगियों से कई तीखे सवाल किए। उसी दौरान बिग बॉस% से परमिशन लेकर रोहित शेट्टी ने अंकिता लोखंडे को उनके पति के बारे में कई ऐसी बातें बताई, जिसे सुनकर अंकिता काफी हैरान हो गईं।

विक्की कर रहे हैं पार्टी

बिग बॉस 17 में अंकिता लोखंडे अपने पति विक्की जैन के साथ आई थीं, लेकिन कम वोट मिलने की वजह से विक्की घर से बाहर हो चुके हैं। घर से बेघर होने के बाद विक्की काफी पार्टियां कर रहे हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी विक्की की इन्हीं पार्टियों का जिक्र करते हुए बोलें, %विक्की घर से बाहर निकलकर अभी तक दो पार्टियां कर चुका है। एक पार्टी उन्होंने सना, ईशा और आयशा के साथ किया था। उसी पार्टी में एक और लड़की थी जिसके बारे में पता नहीं चला है कि वो लड़की कौन थी।

रोहित शेट्टी ने खाई कसम

बिग बॉस के घर में बाहर की बातें करने की मनाही होती है, लेकिन रोहित शेट्टी बिग बॉस से आज्ञा लेकर अंकिता लोखंडे को उनके पति से जुड़ी कई अहम बातें बताते दिखाई दिए। रोहित की बातों पर पहले जब अंकिता को भरोसा नहीं हुआ, तब निर्देशक अपने काम की कसम खाते हुए बोलें, मैं कलर्स की कसम खा रहा हूं, मैं खतरों के खिलाड़ी शो का होस्ट हूं और अपनी रोजी-रोटी की कसम खा कर कह रहा हूं, अभी तक विक्की ने दो पार्टियां की है। शायद आज भी घर पर अभी एक पार्टी चल रही है।

गुस्से में तमतमाईं अंकिता

बिग बॉस 17 के शुरुआत से ही विक्की जैन और अंकिता लोखंडे में लगभग हर दिन लड़ाइयां होती रही है। एक एपिसोड में तो अंकिता ने यहां तक बोल दिया था कि वे अब विक्की के साथ नहीं रहना चाहती हैं, लेकिन विक्की जब बिग बॉस के घर से बेघर हो रहे थे उस दौरान दोनों ने एक दूसरे से माफी मांग ली थी। अंकिता ने विक्की से कहा भी था कि, यहां से निकल कर पार्टी नहीं करना, लेकिन विक्की ने अंकिता की एक नहीं सुनी। कल जब रोहित शेट्टी ने विक्की की पार्टियों का जिक्र अंकिता से किया तब अंकिता काफी निराश हुईं। उन्होंने गुस्से में कहा, थप्पड़ ही खाएगा वो ज़ोर का। अब देखना है कि घर से बाहर निकलने के बाद अंकिता क्या कदम उठती हैं।

कृति स्क्रीन पर रोबोट का किरदार निभाने वाली पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस

नेशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन एक बार फिर अपनी बेहतरीन एक्टिंग का दम दिखाने जा रही हैं। उनकी अपमकिंग फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में एक्ट्रेस एक शानदार भूमिका निभाती नजर आएंगी - जो कि सिफरा नाम की एक रोबोट की है। ऐसा करके, कृति न केवल एक अनोखे किरदार की शुरुआत कर रही हैं, बल्कि सिल्वर स्क्रीन पर रोबोट का किरदार निभाने वाली बॉलीवुड की पहली महिला एक्ट्रेस भी बन गई हैं। फिल्म के ट्रेलर और गानों में हमने जो झलक देखी है, उससे यह साफ है कि कृति सेनन अपने किरदार की जटिलताओं को सहजता से पेश करती हैं। रोबोट की भूमिका निभाना कोई आसान बात नहीं है, खासकर के जब संसारिक रूप से अंदर की भावनाओं को व्यक्त करने की चुनौतियों का सामना करते है। हालांकि ऐसा लगता है कि कृति ने इस कला में महारत हासिल कर ली है, कई प्रकार के कौशल का प्रदर्शन करते हुए जो उनके अभिनय कौशल की गहराई को उजागर करते हैं। कृति के प्रदर्शन का एक उल्लेखनीय पहलू एक रोबोटिक व्यक्तित्व की हर बारीकी को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता है। वह दोनों हाथों से सहजता से खाना पकाने, बेजान आचरण अपनाने, मैकेनिकल फेस के साथ भावनाएं व्यक्त करने, पीछे की ओर झुकने और कई अन्य पलों में अपनी काबिलियत दिखाती है जो एक रोबोट की प्रामाणिकता को बनाए रखते हैं। ये सभी कृति की सीमाओं को पार करने और एक रोबोट जैसे अनोखे किरदार को निभाने के साथ आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने की कमिटमेंट को प्रदर्शित करते हैं। उसके एक्सप्रेशन्स में सूक्ष्मता, सूझ बूझ से भरी हरकतें, और उनकी डायलॉग डिलिवरी में जान बूझकर किया गया ठहराव सभी मिलकर सिफरा के चारों ओर रहस्य का माहौल बनाने में योगदान करते हैं, जिससे दर्शक उसके वास्तविक स्वरूप के बारे में अनुमान लगाते हैं। ऐसी इंडस्ट्री में जहां एक्ट्रेस अक्सर खुद को स्टीरियोटाइप भूमिकाओं तक ही सीमित पाती हैं, कृति सेनन का रोबोट का किरदार निभाना उनकी बहुमुखी प्रतिभा का सबूत पेश करता है। ऐसे में एक भारतीय एक्ट्रेस को कुछ अलग किरदार निभाते हुए देखना रीफ्रेशिंग है, और कृति का सिफरा का किरदार उनके प्रदर्शन में विविधता लाने की उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जो तब भी साफ नजर आया था जब उन्होंने फिल्म मिमी के साथ अपने करियर में उन्होंने एक सरोगेट मां की भूमिका निभाने का फैसला किया था। खैर, बॉलीवुड में रोबोट किरदार रेयर हैं और सिफरा के रूप में कृति सेनन की अग्रणी भूमिका एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक बेजान किरदार में जान फूंकने की उनकी क्षमता उनकी अभिनय क्षमता का सबूत है। और क्योंकि अब फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की रिलीज नजदीक है, कृति सेनन यकीनन एक और शानदार प्रदर्शन के वादे के साथ वापस आ गई हैं। जैसे-जैसे फिल्म को लेकर प्रत्याशा बढ़ती जा रही है, यह कहना सही होगा कि कृति के सिफरा के किरदार को बॉलीवुड में एक शानदार पल के रूप में याद किया जाएगा, जहां एक अभिनेत्री ने निडर होकर एक ऐसे किरदार को निभाने की चुनौती को स्वीकार किया जो अनकन्वेंशनल होने के साथ-साथ आकर्षक भी है ।

मानुषी और अलाया ने बड़े मियां छोटे मियां के जॉर्डन शेड्यूल में ब्लैक बिकिनी में लिया नेचुरल स्पा

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड फ़िल्म बड़े मियां छोटे मियां का टीज़र रिलीज हो चुका है । हैरतअंगेज एक्शन से भरी और बुराई पर अच्छाई की जीत वाली थीम पर बेस्ड बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक स्टंट्स करते हुए नजर आ रहे हैं । टीज़र रिलीज़ से पहले बड़े मियां छोटे मियां का हाल ही में जॉर्डन में एक बड़ा शेड्यूल पूरा हुआ जिसमें फ़िल्म की पूरी स्टार कास्ट शामिल हुई- अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ से लेकर फ़िल्म की लीड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा भी । और अब मानुषी छिल्लर, अलाया एफ ने अपने जॉर्डन शेड्यूल से कुछ बिहाइंड द सीन की तस्वीरें शेयर की हैं जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रही हैं ।

सुल्तान और टाइगर ज़िंदा है बनाने वाले डायरेक्टर अली अब्बास ज़फ़र की बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा भी अहम रोल में नज़र आने वाली हैं। इसी बीच मानुषी छिल्लर ने बड़े मियां छोटे मियां के जॉर्डन शेड्यूल से अपनी और अपनी को-स्टार अलाया एफ़ की कुछ बिकिनी तस्वीरें पोस्ट की है । एक तस्वीर में मानुषी और अलाया डेड सी के पास ब्लैक कलर की बिकिनी में पोज देती हुई नज़र आ रही हैं । इसके अलावा दोनों ने अपनी-अपनी पूरी बॉडी पर ब्लैक कलर का कुछ लगाया हुआ भी है ।

अलाया एफ ने कुछ बिकिनी तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, डेड सी में नैचुरल स्पा डे। कुछ तस्वीरों में अलाया ब्लैक कलर की बिकिनी में डेड सी में तैरती हुई नज़र आ रही हैं । अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय, टाइगर, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन और रॉनित रॉय भी नजर आने वाले हैं । वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट प्रेजेंट्स अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित एएजेड फिल्म के सहयोग से बड़े मियां छोटे मियां, जिसे वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फ़िल्म इसी साल अप्रैल 2024 में ईद के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

चड्ढा और फज़ल की डेब्यू प्रोडक्शन फ़िल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने सनडांस फिल्म फेस्टिवल 2024 में जीते 2 अवॉर्ड्स

एक अभूतपूर्व उपलब्धि में, ऋचा चड्ढा और अली फज़ल की पहली प्रोडक्शन, गर्ल्स विल बी गर्ल्स, सनडांस फिल्म फेस्टिवल 2024 में ब्रेकआउट फिल्म के रूप में उभरी है और दो पुरस्कार जीते हैं। शानदार समीक्षा देने वाले समीक्षकों का दिल जीतने के बाद, बड़े दिल वाली इस छोटी सी फिल्म ने वर्ल्ड ड्रामेटिक एंट्री श्रेणी में ऑडियंस अवार्ड जीता, साथ ही मुख्य अभिनेत्री प्रीति पाणिग्रही के लिए स्पेशल जूरी अवार्ड भी जीता।

नवोदित शुचि तलाती द्वारा लिखित और निर्देशित, गर्ल्स विल बी गर्ल्स एक उल्लेखनीय फिल्म है जिसने दुनिया के सबसे बड़े फिल्म समारोहों में से एक में सबसे प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय आलोचकों से सर्वसम्मति से प्रशंसा प्राप्त की है। यह उपलब्धि ऋचा चड्ढा और अली फज़ल की सार्थक सिनेमा का समर्थन करने और वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने वाली भारतीय कहानियों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ब्लिंक डिजिटल और डोल्से वीटा फिल्म्स के साथ रिचा चड्ढा और अली फज़ल के संयुक्त प्रोडक्शन पुशिंग बटन स्टूडियोज के सहयोगात्मक प्रयासों से निर्मित यह फिल्म दिल और आलोचकों दोनों को जीतने में कामयाब रही है। इस बारे में बात करते हुए, निर्देशक शुचि ने कहा, गर्ल्स विल बी गर्ल्स का निर्देशन करना एक बेहद व्यक्तिगत और पुरस्कृत अनुभव था। सनडांस में फिल्म की सफलता एक समर्पित टीम के सहयोगात्मक प्रयासों का प्रमाण है। ऋचा ने इस कहानी और फिल्म को शेरनी की तरह सुरक्षित रखा है। यह देखकर खुशी होती है कि हमारी कहानी दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से पसंद आ रही है, और मुझे उम्मीद है कि यह बढ़ती उम्र के अनुभवों के बारे में महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देगी, जो हमें अक्सर स्क्रीन पर देखने को नहीं मिलती है। निर्माता ऋचा और अली ने एक दोहरे बयान में कहा, हमने साहस के साथ गर्ल्स विल बी गर्ल्स के साथ इस यात्रा की शुरुआत की और सनडांस में ज़बरदस्त प्रतिक्रिया एक सपना जैसा रहा है। यह अनुभव कहानी कहने की शक्ति और विश्व स्तर पर गूंजने वाले विविध आख्यानों से हमारे विश्वास को मज़बूत करता है। अभिनेता के रूप में, हम हमेशा सशक्त कहानियों के इच्छुक रहे हैं लेकिन उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा हमारे हाथ में नहीं था। यही कारण है कि हमारे नए अभिनेताओं को यह वैश्विक प्रशंसा प्राप्त करते हुए देखना खुशी की बात है। यह मान्यता हमें सीमाओं को पार करने और नई कहानियाँ सुनाने के लिए प्रेरित करती है।

कंगुवा से बॉबी का दमदार फ़र्स्ट लुक; फ़िल्म में बने निर्दयी-ख़तरनाक विलेन 'उधिरन'

साउथ एक्टर सूर्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा के निर्माताओं ने बॉबी देओल के जन्मदिन के खास मौके पर कंगुवा से बॉबी के फ़र्स्ट लुक पोस्टर को रिलीज कर सभी की प्रत्याशा बढ़ा दी है । कंगुवा में बॉबी देओल दमदार उधिरन के रूप में नज़र आने वाले हैं।

निर्माताओं ने बॉबी देओल के जन्मदिन के मौके पर दमदारर उधिरन के रूप में उनका जबरदस्त फर्स्ट लुक शेयर किया है। कह सकते है विलेन का फर्स्ट लुक वाकई फिल्म में काफी रोमांच की गारंटी देता है । इसका पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, निर्दयी, ताकतवर, यादगार??। हमारे #Udhiran, #BobbyDeol सर? को जन्मदिन की शुभकामनाएँ स्टूडियो ग्रीन के के.ई. ज्ञानवेल राजा पिछले 16 सालों में कई ब्लॉकबस्टर हिट देने के लिए साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में एक बड़ा रहे हैं, जिनमें सिंघम सीरीज, परुथी वीरन, सिरुथाई, कोम्बन, नान महान अल्ला, मद्रास, टेडी और हाल में आई फिल्म पाथु थाला शामिल हैं। कांगुवा की दुनिया असली और कड़ी होगी और दर्शकों को एक नया विजुअल अनुभव कराएगी। मानवीय भावनाएं, दमदार प्रदर्शन और बड़े पैमाने पर पहले कभी नहीं देखे गए एक्शन सीन्स फिल्म का मूल होंगे। फिलहाल इस फिल्म का निर्माण तेजी से चल रहा है और जिस तरह से प्रोजेक्ट को आकार मिल रहा है, उससे पूरी टीम उत्साहित है। एक्टर सूर्या ने हाल ही में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सूर्या और दिशा पटानी स्टारर इस फिल्म का निर्देशन शिव ने किया हैं, जो अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों के निर्माता हैं। फिल्म की बाकी स्टार कास्ट का खुलासा आने वाले समय में किया जाएगा। फिल्म में वेट्री पलानीसामी की सिनेमैटोग्राफी और रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद का संगीत स्कोर हैं। स्टूडियो ग्रीन ने 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में बड़े पैमाने पर फिल्म रिलीज करने के लिए टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है। टीम जल्द ही फिल्म के बारे में दिलचस्प फैक्ट अपडेट करेगी जो एक्टर सूर्या के फैन्स को एक्साइट करने के लिए काफी है।

देव पटेल के साथ मंकी मैन से अपना हॉलीवुड डेब्यू कर रहीं सोभिता धुलिपाला

सोभिता धुलिपाला अपने हॉलीवुड डेब्यू फिल्म मंकी मैन के साथ ओस्कर-नॉमिनेटेड देव पटेल के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। यह एक एक्शन-पैक्ड रिवेंज टेल है, जो अब आखिरकार थिएटरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को सोभिता के लिए एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन माना जा रहा है, क्योंकि वे अपने कदमों को अंतरराष्ट्रीय फिल्म की ओर बढ़ा रही हैं। फिल्म में उनका किरदार सुपर इंट्रीग्यूइंग है, और उनका इंटेंस प्रैसेंस सभी का ध्यान उनकी तरफ खीच रहा है। सोभिता धुलिपाला को मंकी मैन के ट्रेलर में देखकर हमें उन्हें और भी देखने की इच्छा हो रही है। अभिनेत्री का ऑन-स्क्रीन रोमांस देव पटेल के साथ फिल्म को और भी रोमांचक बनाता है, जिससे दर्शक और भी उत्सुक हो गए हैं। इस हॉलीवुड डेब्यू के साथ, सोभिता ने न सिर्फ अपनी अभिनय क्षमता की वर्सेटिलिटी दिखाई है बल्कि हॉलीवुड में और वैश्विक दर्शकों के दिलों में भी आगे बढ़ने का रास्ता बनाया है। मेड इन हेवन 2 में नजर आने के बाद, सोभिता ने सिनेमा की दुनिया में धूम मचा दी है। वहीं, उनकी फिल्म मंकी मैन 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होने वाली है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

28 जनवरी को शाह करेंगे तेलंगाना का तूफानी दौरा

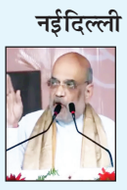

नईदिल्ली। भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में तेलंगाना में अधिक से अधिक सीटें जीतने के मिशन पर है। इस मिशन के हिस्से के रूप में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 जनवरी को राज्य के तूफानी दौरे पर निकलेंगे, जिसमें एक ही दिन में तीन जिले शामिल होंगे। शाह का रविवार दोपहर 1 बजे बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचने और उसी दिन महबूबनगर, करीमनगर और हैदराबाद में बैठकों में भाग लेने का कार्यक्रम है। करीमनगर में, केंद्रीय गृह मंत्री एक पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करेंगे और उस सीट को बरकरार रखने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा करेंगे, जिसे बंदी संजय ने पिछले चुनाव में जीता था। इसके बाद वह महबूबनगर जाएंगे और पार्टी की चुनाव प्रबंधन समितियों को संबोधित करेंगे। भाजपा को आगामी चुनाव में महबूबनगर सीट जीतने का भरोसा है। बाद में वह हैदराबाद में एक बैठक को संबोधित करेंगे, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, विचारक और शिक्षाविद् भी हिस्सा लेंगे।

अकाली दल ने केजरीवाल और मान पर साधा निशाना

चंडीगढ़। 1995 से जेल में बंद खालिस्तानी कार्यकर्ता और टाडा दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर के भाग्य पर राजनीति नए सिरे से शुरू हो गई है। नई दिल्ली तिहाड़ जेल के सजा समीक्षा बोर्ड द्वारा समय से पहले रिहाई की उनकी अपील की नवीनतम अस्वीकृति पर अकाली दल और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, भुल्लर को 1993 में नई दिल्ली में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर हुए बम विस्फोट के लिए अगस्त 2001 में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से तत्कालीन युवा कांग्रेस प्रमुख एमएस बिट्टा को निशाना बनाना था। और नौ लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए थे। मार्च 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। 2011 में भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उसकी दया याचिका खारिज कर दी थी। तब से, यह सातवीं बार है जब भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका 2018 में दो

सैम पित्रोदा ने कांग्रेस की फिर कराई फजीहत

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा एक बार फिर से विवादों में फंस गए हैं। इस बार संविधान बनाने में बाबा साहब आंबेडकर की तुलना में जवाहर लाल नेहरू का योगदान ज्यादा होने और आंबेडकर को संविधान की जनक बताने की बात को झूठ कहने के लिए पित्रोदा घिर गए हैं। दरअसल सैम पित्रोदा के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट में कहा गया कि संविधान के निर्माण और इसकी प्रस्तावना में सबसे ज्यादा योगदान किसका था? पित्रोदा ने खुद ही इसका जवाब देते हुए कहा कि ये नेहरू थे न कि आंबेडकर। सैम पित्रोदा ने अपने एक्स हैंडल पर सुधीन कुलकर्णी के हवाले से कहा, बाबा साहब का दिया हुआ संविधान, डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के जनक थे। ये आधुनिक भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा झूठ है। सैम पित्रोदा की इस पोस्ट पर विवाद बढ़ा तब ये पोस्ट उनके हैंडल से डिलीट कर दी गई। लेकिन इस बीच कई लोगों ने इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

दिल्ली में ऑपरेशन लोटस, साजिश रच रही भाजपा : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची गई है और हाल ही में आम आदमी पार्टी के सात विधायकों को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के लिए ?25 करोड़ की पेशकश की गई थी। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि हाल ही में उन्होंने दिल्ली में हमारे 7 विधायकों से संपर्क किया और कहा कि हम कुछ दिनों के बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद हम विधायकों को तोड़ देंगे. 21 विधायकों से बात हो चुकी है। दूसरों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद हम दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि हालाँकि उनका दावा है कि उन्होंने 21 विधायकों से संपर्क किया है लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक़ उन्होंने अभी तक 7 विधायकों को ही संपर्क किया है।

झारखंड सीएम हेमंत सोरेन को ईडी का 10वां समन

रांची। जमीन घोटाला मामले में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने 10वां समन भेजा है। ईडी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर यह तय करने को कहा है कि 29 से 31 जनवरी के बीच कब पूछताछ की जाए। पहले की तरह ईडी ने फिर लिखा कि अगर वह बयान दर्ज कराने नहीं आएंगे, तो ईडी खुद उनके पास पहुंचेगा। इससे पहले 22 जनवरी को ईडी ने नौवां समन भेजकर सीएम को पूछताछ के लिए 27 से 31 जनवरी का समय दिया था। 25 जनवरी को सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी को पत्र लिखकर 9वें समन का जवाब दिया था। 9वें समन के बाद ईडी को भेजी चिट्ठी में सीएम हेमंत सोरेन ने अपनी व्यस्तता का हवाला दिया और कहा कि वह इस समन का जवाब बाद में देंगे। इधर ईडी ने 27 जनवरी को फिर से मुख्यमंत्री को समन भेज दिया है। बता दें कि जमीन घोटाला मामले में ईडी, सीएम हेमंत सोरेन से एक बार पूछताछ कर चुकी है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश को मनाने के लिए कांग्रेस ने चल दिया बड़ा दांव

राजनीतिक संकट के बीच एक्टिव मोड में कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि पार्टी बिहार राजनीतिक संकट के बीच इंडिया ब्लॉक में मतभेदों को दूर करने की पूरी कोशिश कर रही है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन छोड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले दिन में सूत्रों ने कहा कि जेडीयू के दिग्गज नेता नीतीश कुमार आज बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और कई कांग्रेस विधायक उनके साथ जाएंगे।

खड़गे ने यह भी कहा कि उन्होंने नीतीश कुमार को पत्र लिखा है और उनसे बात करने की कोशिश भी की है। कांग्रेस प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा कि लेकिन मुझे नहीं पता कि नीतीश के मन में क्या है? मैं कल दिल्ली जाकर पूरी जानकारी लूंगा। देखते हैं क्या होता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि कांग्रेस भारत गठबंधन में सभी को एकजुट करने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी से बात की है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मैंने उनसे (ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी से) कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है, तभी हम (आगामी लोकसभा चुनाव में) अच्छी लड़ाई दे सकते हैं। कांग्रेस प्रमुख ने आगे कहा कि जो कोई भी चाहता है कि भारत गठबंधन अच्छा काम करे और लोकतंत्र बचाया जाए। वह जल्दबाजी में निर्णय नहीं करेगा।

समाजवादी पार्टी के साथ बन गई बात, 11 सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ। बिहार में एक ओर जहां राजनीतिक हलचल जारी है तो वहीं उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर फाइनल डील हो चुकी है। इस बात की जानकारी अखिलेश यादव ने ट्वीट कर दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में साफ तौर पर बताया कि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 11 सीटें दी है। उन्होंने कहा कि 11 सीटों के साथ यह अच्छी शुरुआत हुई है। यह इंडिया गठबंधन के लिए बड़ी राहत की बात है।

इसको लेकर अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में लिखा कि कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही हैज ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी। इससे पहले अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पर छोटे दलों को साथ लेकर चलने की बड़ी जिम्मेदारी है। यादव ने समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित 'पीडीए' जन पंचायत पखवाड़े की शुरुआत शुक्रवार को कन्नौज के ग्राम फकीरे पुरवा से की। उन्होंने जन पंचायत में ग्रामवासियों से बिजली व्यवस्था और सड़क आदि मुद्दों पर चर्चा की। आपको बता दे कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर लगातार बातचीत हो रही थी। हालांकि कहीं ना कहीं मामला अटक जा रही थी। लेकिन अखिलेश यादव लगातार इस बात पर जोर दे रहे थे कि हम राज्य में मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन में यह उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जहां सीटों को लेकर फाइनल बातचीत बन गई है। इसका मतलब साफ है कि अखिलेश यादव की पार्टी उत्तर प्रदेश में लगभग 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं 11 सीटों पर कांग्रेस जबकि बची हुई सीटों पर राष्ट्रीय लोक दल अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, राष्ट्रीय लोकदल को समाजवादी पार्टी की ओर से कितनी सीटें दी गई हैं। इस बात का खुलासा नहीं हो सका है लेकिन बताया जा रहा है कि 4 से 7 सीटे दी जा सकती है। कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है- ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी।

लालू को कबूल नहीं हार! तेजस्वी को सीएम बनाने के लिए आर-पार

पटना। बिहार की राजनीति में जबरदस्त तरीके से हलचल जारी है। इस बात की चर्चा तेज है कि नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए में वापसी कर सकते हैं। यह लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के लिए बड़ा झटका है। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन के लिए भी यह बड़ा झटका है। 25 जनवरी के बाद से लगातार राजद और जदयू के बीच तनातनी की स्थिति है। विवाद तब चरम पर पहुंचा जब लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इशारों ही इशारों में ट्वीट कर नीतीश कुमार पर निशाना साधा था। यह मामला तब शुरू हुआ जब नीतीश कुमार ने परिवारवाद के बहाने बिना किसी का नाम लिए लालू परिवार पर तंज कसा था। वर्तमान की खबर के मुताबिक नीतीश कुमार को एक बार फिर से भाजपा समर्थन दे सकती है। यह लालू यादव के लिए बड़ा झटका है। यही कारण है कि लालू यादव भी लगातार रणनीति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लालू यादव को भी सरकार बनाने के लिए महज आठ विधायकों की जरूरत है। ऐसे में राजद खेमा भी शांत नहीं है और विधायकों का जुगाड़ करने की कोशिश जारी है। सूत्रों के हवाले से खबर आई थी कि राजद की ओर से जीतन राम मांझी से संपर्क किया गया था जिनके पास चार विधायक है।

बिहार में राजनीतिक हलचल के बीच शाह और नड्डा से मिले चिराग पासवान

बोले- हम एनडीए का हिस्सा

नईदिल्ली। बिहार में राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने कहा कि यह जानना महत्वपूर्ण था कि आज बिहार में क्या हो रहा है। इस मुद्दे पर, मैंने आज अमित शाह और जेपी नड्डा जी के साथ बैठक की। मैंने बिहार पर अपनी चिंताओं को उनके सामने रखा है। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर आश्वासन दिया है। स्थिति गठबंधन को लेकर काफी सकारात्मक हैं। आने वाले दिनों में स्थिति और स्पष्ट होगी और उसके बाद हमारी पार्टी कोई स्टैंड लेगी। हम आज एनडीए का हिस्सा हैं।

नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि अगर-मगर की बात पर अभी जवाब नहीं दिया जा सकता है। जमुई के युवा सांसद, जिनके बारे में यह माना जाता है कि उनके मन में नीतीश कुमार के लिए कोई प्यार नहीं है और जिनके 2020 के विधानसभा चुनावों के दौरान विद्रोह को सत्तारूढ़ जद (यू) ने अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग की उन रिपोर्टों का भी मजाक उड़ाया, जिनमें कहा गया था कि अगर नीतीश कुमार एनडीए में लौटते हैं, तो चिराग पासवान पाला बदल सकते हैं और वर्तमान उपमुख्यमंत्री, राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

जेडीयू नेता सुनील कुमार पिंटू ने कहा कि एनडीए के पास संख्या है। पहले भी एनडीए के पास संख्या थी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनी थी। बिहार के हित में गठबंधन बनाकर दोबारा सरकार बनानी चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) ने शनिवार को कहा कि बिहार में महागठबंधन के सहयोगियों के बीच कोई भ्रम नहीं है। जद(यू) के वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने कहा, ''बिहार में महागठबंधन के सहयोगियों के बीच कोई भ्रम नहीं है। जब हम (राजद के मंत्रियों के साथ) राज्य कैबिनेट की बैठक में एक साथ शामिल हैं... गणतंत्र दिवस समारोह में भाग ले रहे हैं... तो भ्रम कहां है।''

जीतनराम मांझी के घर पहुंचे सम्राट चौधरी, हम के सभी विधायक भी मौजूद

पटना। बिहार में सियासी उलटफेर की संभावना के बीच एनडीए खेमे में मुलाकात और बातचीत का दौर लगातार तीसरे दिन भी जारी है। भाजपा के कद्दावर नेता एनडीए के घटक दल हम पार्टी के नेता जीतन राम मांझी से मुलाकात कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के बाद अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी जीतनराम मांझी के आवास पहुंचे हैं और उनसे बातचीत कर रहे हैं। हम पार्टी के विधायक भी इस दौरान मौजूद रहे। बिहार में सियासी घमासान के बीच पूर्व सीएम व हम पार्टी के नेता जीतनराम मांझी के आवास पर सम्राट चौधरी पहुंचे। शनिवार को ये मुलाकात हुई है। वहीं जानकारी के मुताबिक, जीतनराम मांझी के आवास पर हम पार्टी के चारो विधायक भी मौजूद हैं। तमाम नेताओं के बीच बातचीत हुई है। वहीं अब नयी सरकार के गठन की कवायद साफ दिखने लगी है। राजद भी अपने साथी दलों के साथ अपनी तैयारी में जुटा है। जबकि भाजपा नेताओं ने भी अपनी सक्रियता लगातार तेज कर दी है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि भाजपा की ओर से नहीं किया गया है। शनिवार को सम्राट चौधरी जीतन राम मांझी के आवास पर पहुंचे तो सियासी कयास तेज हुए। माना जा रहा है कि एनडीए के घटक दलों को मजबूती से अपने साथ करने के लिए मुलाकातों का यह दौर चल रहा है। दिल्ली में अमित शाह के आवास पर भाजपा के प्रमुख नेताओं की बैठक के बाद गुरुवार की रात को मंत्री नित्यानंद राय भी जीतनराम मांझी से मुलाकात करने आए थे। वहीं इस बीच यह चर्चा तेज हुई कि राजद ने उपमुख्यमंत्री पद जीतनराम मांझी को ऑफर किया है। हालांकि जीतनराम मांझी ने इसे अफवाह बताया और एनडीए के साथ होने का दावा किया है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने द. अफ्रीका को 3-0 से दी मात

केपटाउन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अजेय सिलसिला जारी रखते हुए मेजबानों पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार रात हुए मुकाबले में दूसरे मिनट में, अभिषेक ने 13वें मिनट में और सुमित ने 30वें मिनट में गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत करते हुए पहले ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिसे हरमनप्रीत ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल में बदलकर बढ़त दिलायी। पहले क्वार्टर में दो ही मिनट बचे थे कि अभिषेक ने फुर्तीला शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को पछाड़ दिया और भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका के कई हमलों के बावजूद भारत का डिफेंस संयमित बना रहा और उसने कोई गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम से तुरंत पहले सुमित मैदानी गोल करने में सफल रहे और भारत 3-0 से आगे हो गया। दूसरे हाफ में दक्षिण अफ्रीका ने काफी तेजी दिखायी लेकिन उसके खिलाड़ी भारतीय डिफेंस को नहीं तोड़ सके। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम के खिलाड़ियों ने काफी प्रयास किये लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। दक्षिण अफ्रीका अपने पहले गोल की तलाश में लगा रहा लेकिन भारत ने मजबूती से खतरे को दूर रखा। भारत अब रविवार का नीदरलैंड से भिड़ेगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

उत्तर प्रदेश में जल्द 100 बायो गैस प्लांट होंगें स्थापित : पुरी

लखनऊ। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही 100 नये बायोगैस संयंत्र स्थापित किये जाएंगे। बदायूं में कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र के लोकार्पण समारोह में पहले यहां लखनऊ में केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि पिछले सात साल में मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने ''बीमारू राज्य'' की श्रेणी से आगे बढ़कर हर क्षेत्र में शानदार काम किया है। उन्होंने कहा, ''आज बदायूं में कंप्रेस्ड बायो गैस के नये संयंत्र का उद्घाटन होने जा रहा है और राज्य के आठ अन्य जिलों में ऐसे ही नये संयंत्र का शिलान्यास भी किया जाएगा।'' पुरी ने कहा, ''अब तक 37 संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि चयन आदि की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बड़ा सहयोग मिल रहा है।''

ईपैक ड्यूरेबल के आईपीओ अलॉटमेंट स्टेटस तय

नईदिल्ली। ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के अलॉटमेंट स्टेटस तय कर दिया गया है। जिन लोगों ने कंपनी के इश्यू के लिए अप्लाई किया है, वे बीएसई वेबसाइट या इसके रजिस्ट्रार की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन करके ईपैक ड्यूरेबल आईपीओ के अलॉटमेंट स्टेटस को ऑनलाइन देख सकते हैं। इस बीच, ईपैक ड्यूरेबल आईपीओ के अलॉटमेंट स्टेटस की घोषणा के बाद अब ध्यान ईपैक ड्यूरेबल आईपीओ लिस्टिंग तिथि पर ट्रांसफर हो गया है। कंपनी के शेयर 30 जनवरी 2024 यानी अगले सप्ताह मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। हालांकि, सप्ताहांत के दौरान ईपैक ड्यूरेबल आईपीओ को लेकर ग्रे मार्केट में रेस्पांस थोड़ा कम हो गया है। शेयर बाजार एक्सपर्ट्स के अनुसार, ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड के शेयर केवल 9 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध हैं।

अकासा एयर ने इंजन खरीदने को सीएफएम इंटरनेशनल के साथ किया समझौता

नईदिल्ली। घरेलू विमानन कंपनी अकासा एयर और इंजन विनिर्माता सीएफएम इंटरनेशनल ने शुक्रवार को एक समझौते की घोषणा की। इसके तहत अकासा एयर अपने 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए 300 से अधिक सीएफएम लीप-1बी इंजन खरीदेगी। अकासा एयर ने एक बयान में कहा कि समझौते में अतिरिक्त इंजन और सेवा अनुबंध भी शामिल है। हालांकि, एयरलाइन ने सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया। आकास एयर ने 18 जनवरी को 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर की घोषणा की थी। कंपनी ने अगस्त 2022 में अपना परिचालन शुरू किया और पहले कुल 76 लीप-1बी- इंजन युक्त 737-8 विमानों का ऑर्डर दिया था। वर्तमान में इनमें से 22 विमान सेवा में हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.8 अरब डॉलर की कमी आई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 19 जनवरी, 2023 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.795 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 616.143 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 2.653 अरब डॉलर घटकर 545.855 अरब डॉलर रह गया। सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 47.212 अरब डॉलर रह गया। कैलेंडर वर्ष 2023 में, आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब अमरीकी डॉलर जोड़े। 2022 में, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में संचयी रूप से 71 बिलियन अमरीकी डॉलर की कमी आई थी।

अंतरिम बजट के लिए कुछ सुझाव

अजीत रानाडे

एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया जायेगा, जो एक अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के लिए होगा। चूंकि कुछ समय बाद लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए वित्त मंत्री केवल अंतरिम बजट प्रस्तुत करेंगी। इसका अर्थ यह है कि वर्तमान सरकार ऐसी बड़ी घोषणाएं नहीं कर सकती है, जिनसे उसे चुनाव में फायदा मिले। सरकार नये बड़े खर्चों को भी प्रस्तावित नहीं कर सकती है, जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी अगली सरकार की होगी। ऐसे में बजट भाषण में नियमित खर्चों के साथ-साथ उन्हीं मदों का उल्लेख होगा, जिन्हें टाला नहीं जा सकता है। इसमें उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर राजस्व के अनुमान भी होंगे। हमें बड़े सुधारों या कल्याण कार्यक्रमों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। फिर भी यह नहीं भूला जा सकता है कि यह बजट जल्दी ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले राष्ट्र के समक्ष एक वार्षिक प्रस्तुति है। बजट प्रस्तावों में चुनावी रूप से लोकलुभावन तथा अगली सरकार के बड़ी बोझ बन सकने वाली घोषणाओं से बचते हुए भी ऐसी घोषणाएं हो सकती हैं और होनी भी चाहिए, जो सुधार प्रक्रिया को आगे ले जाएं। इस सुधार प्रक्रिया की निरंतरता को हम बीते 34 वर्षों से देख रहे हैं। इसलिए अंतरिम बजट के लिए कुछ सुझाव प्रस्तावित हैं।

पहला बिंदु आयकर छूट के संबंध में है। आयकर चुकाने की बात तब आती है, जब आपकी न्यूनतम वार्षिक आय 7.5 लाख रुपये से अधिक है। यह आय देश की प्रति व्यक्ति आय का 300 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति आय देश के हर पुरुष, महिला और बच्चे की

औसत कमाई होती है। दुनिया के किसी भी देश में इतने उच्च स्तर की आयकर छूट की सीमा नहीं है। इसलिए वित्त मंत्री को इस न्यूनतम सीमा को और आगे बढ़ाने से परहेज करना चाहिए। छूट सीमा के इतना अधिक होने की वजह से भारत में आयकर और सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का अनुपात बहुत कम है। इसका यह भी मतलब है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे अप्रत्यक्ष करों से राजस्व जुटाने का बोझ अधिक है। अप्रत्यक्ष कर न्यायपूर्ण नहीं होते। अमीर हो या गरीब, सभी जीएसटी देते हैं और इसका बहुत अधिक बोझ गरीब पर पड़ता है। हमें जीएसटी की माध्यिका दर को 18 प्रतिशत से 12 प्रतिशत करना चाहिए। और यह तभी हो सकता है, जब हम आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों से अधिक संग्रहण करें। साढ़े सात लाख रुपये तक की आयकर छूट सीमा भी भ्रामक है क्योंकि जब आपकी आमदनी 15 लाख रुपये से अधिक होती है, तब आपको लगभग 42 प्रतिशत के उच्चतम सीमांत दर के हिसाब से आयकर देना पड़ता है। इसका मतलब यह है कि केवल 7.5 लाख रुपये में ही हमारी सीमांत कर दर शून्य से 42 पहुंच जाती है। एक बेहतर संरचना ऐसी हो सकती है- ढाई लाख रुपये तक की कमाई पर शून्य कर, ढाई से 7.5 लाख तक पर 10 प्रतिशत, 7.5 से 25 लाख तक पर 20 प्रतिशत, 25 से 50 लाख तक पर 30 प्रतिशत तथा 50 लाख से ऊपर आय पर और अधिक दर। इससे हमारा संग्रहण बढ़ सकता है।

दूसरा सुझाव राजकोषीय समेकन के बारे में है। वित्तीय घाटा जीडीपी का लगभग पांच से छह प्रतिशत है। इससे कर्ज बोझ बढ़ता जाता है, जो अभी जीडीपी का 82 प्रतिशत है। सरकार द्वारा भारी कर्ज लेने के कारण दूसरों के लिए कर्ज हासिल करने की गुंजाइश कम हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि अगर नियंत्रण नहीं हुआ, तो भारत का कर्ज भार जीडीपी का 100 प्रतिशत हो जायेगा। जमैका का उदाहरण हमारे सामने है, जिसने बीते 15 वर्षों में जीडीपी के अनुपात में अपने कर्ज भार को 140 से घटाकर 72 प्रतिशत यानी आधा कर लिया है। जैसा कि वित्तीय उत्तरदायित्व को लेकर गठित हुई विभिन्न समितियों ने सुझाव दिया है, भारत निश्चित रूप से अपने कर्ज भार को 82 से घटाकर 60 प्रतिशत कर सकता है। साठ प्रतिशत के इस लक्ष्य में केंद्र का हिस्सा 40 और राज्यों का हिस्सा 20 है। ऐसा होने के लिए वित्तीय घाटे को नियंत्रित रखना होगा।

कही-सुनी

रवि भोई

बाहर आया शराब और कोयले का जिन्न

भूपेश बघेल के राज में हुए शराब और कोयला घोटाला मामले में ईडी द्वारा ई ओ डब्ल्यू में एफ आई आर दर्ज कराने के बाद राज्य की राजनीतिक गर्मी बढ़ गई है। लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा को कांग्रेस पर वार के लिए हथियार मिल गया है। शराब और कोयला घोटाले में करीब 105 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की गई है। भूपेश बघेल के सरकार में ताकतवर मंत्री -विधायक और ब्यूरोक्रेट के नाम एफ आई आर में आने से छत्तीसगढ़ में नया जिन्न जाग गया है। विष्णुदेव साय के राज में पूर्ववर्ती सरकार के खिलाफ बड़ा खुलासा है। शराब और कोयला में लेवी और भूपेश सरकार के नीति निर्धारकों की अघोषित संपत्ति की जांच के लिए भाजपा नेता नरेश गुप्ता पिछले कुछ सालों से लगातार संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स की गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत भी की थी। कहा जा रहा है कि शराब और कोयला घोटाले की जांच ई ओ डब्ल्यू होते हुए सीबीआई के पास जा सकती है। शराब और कोयला घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा, अमरजीत भगत, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, विधायक देवेंद्र यादव समेत कई पूर्व विधायकों के नाम आने से मामला संगीन हो गया है। शराब और कोयला घोटाले में कुछ ब्यूरोक्रेट और कारोबारी अभी जेल में हैं, लेकिन एफ आई आर की जद में आए कुछ अफसर और नेता अभी बाहर हैं , उनका क्या होगा, इसको लेकर कयासों का बाजार गर्म है। विधानसभा चुनाव में हार से सदमें में घिरी कांग्रेस के लिए शराब और कोयला घोटाले का नया पेंच मुश्किलों से भरा हो सकता है। लोकसभा चुनाव में दोनों घोटालों को लेकर भाजपा का तीर कांग्रेस पर चलना तय माना जा रहा है। घोटाले को लेकर एफआईआर के बाद दोषियों की गिरफ्तारी का भी लोगों को इंतजार है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा के अधिकांश सांसदों की टिकट कटने के संकेत

चर्चा है कि भाजपा छत्तीसगढ़ में दुर्ग लोकसभा को छोड़कर अन्य सीटों पर नए चेहरे उतारने की योजना बना रही है। दुर्ग लोकसभा सीट से विजय बघेल को ही प्रत्याशी बनाए जाने की खबर है। 2023 के विधानसभा में भूपेश बघेल को कड़ी टक्कर देने के कारण विजय बघेल को लोकसभा की टिकट पुरस्कार के तौर पर मिल सकती है। बिलासपुर के सांसद रहे अरुण साव अब मंत्री बन गए हैं। रायगढ़ की सांसद रही गोमती साय और सरगुजा की सांसद रही रेणुका सिंह विधायक बन गई हैं, ऐसे में वहां नए चेहरे उतारने ही हैं।कोरबा और बस्तर में भाजपा के सांसद नहीं हैं। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस के सांसद हैं। बताते हैं रायपुर, राजनांदगांव, कांकेर, महासमुंद और जांजगीर के वर्तमान सांसदों की जगह भाजपा नए चेहरे की तलाश में है। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 11 सीटों में नए चेहरे उतारे थे और नौ सीटों में उसे जीत मिली थी। कहते हैं छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीटों के लिए भाजपा का आंतरिक सर्वे रिपोर्ट और खुफ़िया रिपोर्ट पार्टी हाईकमान के पास पहुँच गई है। कहा जा रहा है कि भाजपा 2023 के विधानसभा की तरह कुछ लोकसभा सीटों में प्रत्याशियों की घोषणा चुनाव की तिथि आने से पहले कर दे। अनुमान है कि फ़रवरी के पहले-दूसरे हफ्ते में करीब 165 सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। इनमें छत्तीसगढ़ की चार-पांच सीटें हो सकती हैं। चर्चा है कि बस्तर, कांकेर, सरगुजा, रायगढ़ और जांजगीर सीट के लिए फ़रवरी में प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। कहा जा रहा है कि छह सामान्य सीटों में से तीन में ओबीसी प्रत्याशी खड़े किए जा सकते हैं।

क्या रायपुर लोकसभा से फिर लड़ेंगे भूपेश

यह तो तय है कि कांग्रेस अपने कुछ वर्तमान विधायकों और हारे हुए विधायक -मंत्रियों को लोकसभा में उतारेगी। देश में राममय वातावरण के चलते 2024 के लोकसभा चुनाव में हार की डर से नए चेहरे सामने नहीं आ रहे हैं। चर्चा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पार्टी हाईकमान रायपुर लोकसभा से उम्मीदवार बना सकती है। भूपेश बघेल 2009 में रायपुर लोकसभा से चुनाव लड़ चुके हैं। तब उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रमेश बैस को टक्कर दी थी। कहा जा रहा है कि दुर्ग से ताम्रध्वज साहू, कांकेर से अनिला भेड़िया, जांजगीर से डॉ शिवकुमार डहरिया, बस्तर से दीपक बैज या लखेश्वर बघेल, महासमुंद से भवानी शुक्ल, सरगुजा से अमरजीत भगत को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा है। कोरबा की वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत का लड़ना लगभग तय है।

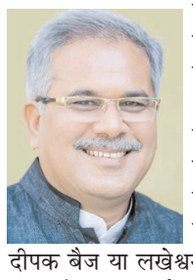

ऋचा शर्मा के बाद कुछ और अफसरों के आने की चर्चा

1994 बैच की आईएएस ऋचा शर्मा की छत्तीसगढ़ वापसी के आदेश के बाद केंद्र सरकार में पदस्थ कुछ और अफसरों की राज्य वापसी की चर्चा होने लगी है। कहा जा रहा है कि अप्रैल-मई तक 1993 बैच के अमित अग्रवाल, 2004 बैच के अमित कटारिया और 2005 बैच के मुकेश बंसल मूल कैडर में आ सकते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक परिदृश्य में काफी बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। खबर है कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए रिलीव करने के बाद भी ऋचा शर्मा अप्रैल के पहले हफ्ते में ही यहां ज्वाइनिंग देंगीं। बताते हैं वे दो महीने के अवकाश पर जा रही हैं।

नए डीजीपी का चयन फरवरी में संभव

कहा जा रहा है कि अब नए डीजीपी का चयन फरवरी में होने की उम्मीद है। 31 जनवरी को 1990 बैच के आईपीएस राजेश मिश्रा के रिटायरमेंट के बाद राज्य में डीजी का एक पद और खाली हो जाएगा। डीएम अवस्थी और संजय पिल्लै के रिटायरमेंट के बाद रिक्त पदों को भरने के लिए अभी तक डीपीसी नहीं हुई है। 1992 बैच के अरुणदेव गौतम और पवन देव डीजी के इंटाइटिल हो गए हैं, लेकिन डीपीसी नहीं होने के कारण उन्हें डीजी का पदनाम नहीं मिला है। अब डीजी के लिए 1994 बैच के हिमांशु गुप्ता और शिवराम प्रसाद कल्लूरी भी पात्र हो गए हैं। राजेश मिश्रा के रिटायरमेंट के बाद रिक्त पद पर हिमांशु गुप्ता और शिवराम प्रसाद कल्लूरी को पदोन्नति मिल सकती है। माना जा रहा है कि रिक्त पदों के लिए डीपीसी फ़रवरी में हो सकती है।

अमरेश कुमार मिश्रा की होगी वापसी

कहते हैं छत्तीसगढ़ कैडर के 2005 बैच के आईपीएस अमरेश कुमार मिश्रा की भारत सरकार से छत्तीसगढ़ वापसी होगी। खबर है कि इसके लिए राज्य शासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। अमरेश कुमार मिश्रा वर्तमान में एन आई ए (नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी) में एसपी के पद पर कार्यरत हैं । वे अगस्त 2019 से सेंट्रल डेपुटेशन में हैं। अमरेश मिश्रा दंतेवाड़ा, कोरबा, दुर्ग और रायपुर के एसपी रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ में 2005 बैच के आईपीएस आईजी प्रमोट हो गए हैं। माना जा रहा है कि वापसी के बाद अमरेश मिश्रा को किसी रेंज में पदस्थ किया जा सकता है।

भाजपा नेताओं के परिक्रमा की जगह बदली

कहते हैं भाजपा नेताओं के परिक्रमा की जगह बदल गई है। निगम-मंडल का अध्यक्ष बनने के लिए भाजपा के कुछ नेता अब जयपुर, राजकोट और अहमदाबाद चक्कर काटने लगे हैं। अब तक पद के इच्छुक नेता जागृति मंडल, राममंदिर और कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में परिक्रमा करते देखे जाते थे। जयपुर, राजकोट और अहमदाबाद की परिक्रमा कर लौटे भाजपा नेता काफी आशान्वित बताए जाते हैं। बताते हैं भाजपा ने तय कर लिया है कि रमन राज में निगम-मंडल अध्यक्ष रहे भाजपा नेताओं की इस बार ताजपोशी नहीं होगी। चर्चा है कि रमन मंत्रिमंडल के सदस्य रहे दो विधायकों को जल्द ही निगम-मंडल का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

प्रांत प्रचारकों में होगा हेरफेर ?

कहा जा रहा है कि फ़रवरी-मार्च में राष्ट्रीय स्वयं संघ (आरएसएस) देश भर के प्रांत प्रचारकों में हेरफेर कर सकता है। कहते हैं समय-समय पर आरएसएस अपने प्रांत प्रचारकों की जिम्मेदारियों में बदलाव करता रहता है। कुछ को दूसरे राज्यों में भेजा जाता है, कुछ को नई जिम्मेदारी दी जाती है। चर्चा है कि छत्तीसगढ़ व अन्य कुछ राज्यों के प्रांत प्रचारकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है या दूसरे राज्यों में भेजे जा सकते हैं।

दो पूर्व मंत्रियों, पूर्व मुख्य सचिव और आईएएस सहित कई कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर

कोयला और शराब घोटाला मामला

रायपुर। कोयला और शराब घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने एंटी करप्शन ब्यूरो में दो पूर्व मंत्रियों, पूर्व मुख्य सचिव, दो निलंबित आईएएस, एक रिटायर्ड आईएएस और प्रभावशाली कांग्रेस नेताओं समेत 100 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद किसी घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसी की ओर से दर्ज कराई गई यह अब तक की सबसे बड़ी एफआईआर है. एंटी करप्शन ब्यूरो में जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है उनमें पूर्व मंत्री कवासी लखमा, अमरजीत भगत, पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड, जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू, समीर बिश्नोई, अनिल टुटेजा, उनके बेटे यश टुटेजा, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, पूर्व कांग्रेसी विधायक शिशुपाल सोरी, चंद्रदेव राय, बृहस्पत सिंह, यूडी मिंज, गुलाब कमरो के नाम भी शामिल हैं. इसके अलावा एफआईआर में पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी मित्र विजय भाटिया का नाम भी एफआईआर में दर्ज है. तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार के दौरान कोयला ट्रांसपोर्टेशन में लेवी वसूलने और सिंडिकेट बनाकर शराब में अवैध उगाही के मामले की जांच ईडी कर रही है. ईडी ने कोयला घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया, निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, रानू साहू, सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल, निखिल चंद्राकर जेल में बंद हैं. शराब घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि शराब घोटाले में 2,161 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है, जो 2019 में सूबे के वरिष्ठ नौकरशाहों, राजनेताओं, उनके सहयोगियों की मिलीभगत का परिणाम है. छत्तीसगढ़ में प्राइवेट प्लेयर्स को अनुमति नहीं है और आठ सौ आउटलेट से ही शराब बेचा जाता है. इससे बेचे जाने वाले शराब की बिक्री पर प्रदेश को ड्यूटी मिलती है, लेकिन एक सिंडिकेट किए गए फर्जीवाड़े से सरकार को मिलने वाले 2,161 करोड़ रुपये लूट लिए गए. ईडी की जांच में यह बात भी सामने आई थी कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा राज्य में शराब का प्रबंधन और मॉनिटरिंग की जाती है. अनवर ढेबर ने प्रदेश के आठ सौ आउटलेट पर अपने लोगों को तैनात करवाकर इन लोगों की मदद से डुप्लीकेट होलोग्राम बनाया और उससे अवैध देशी और विदेशी शराब बेची गई. जांच एजेंसी के अनुसार अनवर ढेबर अपने लिए कमीशन का 15 प्रतिशत रखता था और बाकी सत्तासीन राजनेताओं को चला जाता था.

एआईसीसी 10 दिनों में नामों को करेगी शॉर्टलिस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है. कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और स्क्रीनिंग कमेटी अध्यक्ष रजनी पाटिल की मौजूदगी में शनिवार को कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक शंकर नगर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित बैठक हुई।

बैठक के बाद कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने मीडिया से चर्चा कि, इस दौरान उन्होंने बैठक को लेकर बताया कि, आज स्क्रीन कमेटी के अध्यक्ष और सदस्य ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अलग-अलग जिलों के नेता, पूर्व मंत्री, प्रदेश इलेक्शन कमेटी के सदस्य सबसे गहन चर्चा की है. लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार किन लोगों को आगे नाम प्रस्तावित करना है उसको लेकर के चर्चा हुई है.

लोकसभा चुनाव के लिए सभी कांग्रेस कार्यकर्ता तैयार हैं. सचिन पायलट ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि, हम आने वाले समय के लिए तैयार हैं. हम जनता की आवाज बनकर 10 साल के केंद्र की सरकार से कठोर सवाल पूछेंगे. देश में महंगाई, बेरोजगारी, छोटे किसान, महिला, नौजवान हर व्यक्ति पीड़ित है. 10 साल की जो रिपोर्ट है उसके आधार पर हम चुनाव जीतना चाहते हैं. राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर पायलट ने कहा कि, भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ भी आएगी. आज की बैठक में इस संदर्भ में भी चर्चा की गई है. छत्तीसगढ़ में भारत जोड़ो न्याय यात्रा का ऐतिहासिक स्वागत होगा. उन्होंने कहा कि, देश समाज और पार्टी सभी को लाभ मिलेगा. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में मुझे यह खुशी हैं कि सभी नेता संकल्पित हैं, हम इतिहास बनाने के लिए आए हैं हम यहां की तमाम सीटों को जीतेंगे. लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवारों के नाम को लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बताया कि, बैठक में सबके नाम पर चर्चा हुई है. सब ने अपनी-अपनी बात रखी है, सब का संज्ञान हमने लिया है. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी 10 दिन के अंदर दिल्ली में चर्चा करके नाम को शॉर्टलिस्ट करेगी. जिनके नाम का चयन होगा उन लोगों के नाम हम समय रहते डिक्लेअर करेंगे, ताकि प्रत्याशी को अपने इलाके में प्रचार करने का पर्याप्त समय मिल सकें. कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों को टिकट देने की बात पर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि, नेता छोटे या बड़े नहीं होते, नेता वह है जो पार्टी को जीत दिला सकें. कांग्रेस पार्टी चाहती है कि इंडिया एलाइंस मजबूत रहे. इस बार जो भी उम्मीदवार उतारेगा वह जिताऊ होगा, उनमें से नौजवान भी होंगे अनुभवी भी होंगे.

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मेजर जनरल सुधीर शर्मा सेना पदक से तीसरी बार सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लाल मेजर जनरल सुधीर कुमार शर्मा को गणतंत्र दिवस पर सेना पदक से सम्मानित किया गया। इससे पहले, उन्हें 2017 में विशिष्ट सेवा पदक और 2022 में सेना पदक से सम्मानित किया गया था। जनरल सुधीर पाटन से हैं और उनके माता-पिता अश्विनी कुमार मिश्रा चंपा बोरसी, दुर्ग में रहते हैं। जनरल सुधीर एक हेलीकॉप्टर पायलट हैं और उन्होंने सियाचिन ग्लेशियर और कारगिल में सेवा की है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स ब्रिगेड और असम में आर्टिलरी ब्रिगेड की कमान संभाली। इन दोनों स्थानों में पदस्थापना के दौरान सुधीर शर्मा आतंकवाद विरोधी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने दिल्ली में सेना मुख्यालय में भी तीन बार सेवा दी है।

सवा करोड़ पार्थिव शिव लिंग निर्माण के लिए मंडप-भूमिपूजन आज

रायपुर। सनातन धर्म प्रचार परिषद द्वारा सवा करोड़ पार्थिव शिव लिंग निर्माण पूजन, अभिषेक व अनुष्ठान तथा श्रीमदभागवत कथा के पूर्व रविवार 28 जनवरी को हिन्द स्पोर्टिंग मैदान, लाखेनगर में दोपहर 2 बजे मंडप-भूमिपूजन का कार्यक्रम रखा गया है। पश्चात सुंदरकांड का पाठ व भंडारा होगा।

पुराने बकायादारों की सूची तैयार कर कड़ाई से वसूले टैक्स

रायपुर। नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत टैक्स वसूली के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पुराने बकायादारों की सूची हमेशा अपने साथ रखें और टैक्स वसूली के लिए सख्त कार्यवाही करें। उन्होंने ऐसे आवासीय भवनों, जहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही है, उन पर व्यावसायिक परिसरों के मापदंड के अनुरूप टैक्स वसूलने के निर्देश दिए है। बैठक में अपर आयुक्त श्री अभिषेक अग्रवाल सहित सभी जोन कमिश्नर, उपायुक्त, राजस्व अधिकारी व राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे। नगर निगम मुख्यालय गांधी सदन में आयोजित इस बैठक में उन्होंने जोनवार राजस्व आय की समीक्षा की। उन्होंने डोर-टू-डोर राजस्व वसूली के लिए जाने वाले अमले को कहा है कि भू-स्वामियों को यह अवश्य बताएं कि कर भुगतान की प्रक्रिया नगर निगम द्वारा अत्यधिक सरल कर दी गई है और उनके घरों पर लगाए डिजिटल डोर नंबर, मोबाइल के प्ले स्टोर में उपलब्ध मोर रायपुर एप्प के जरिए घर बैठे टैक्स अदा कर सकते है। इसके अलावा नज़दीकी च्वाइस सेंटर, जोन कार्यालय व नगर निगम मुख्यालय आकर भी टैक्स भुगतान किया जा सकता है। उन्होंने कर संकलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के निर्देश अपने अधीनस्थ अधिकारियों को दिए है।

16 स्टंटबाजों के साथ बाइक जप्त

रायपुर। नवा रायपुर की सड़कों पर स्टंटबाजी करने वाले 16 बाइकर्स के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए उनकी बाइकों को जप्त कर लिया है। एएसपी यातायात सचिंद्र कुमार चौबे के निर्देश पर उक्त कार्रवाई की गई। ये बाइकर्स पल्सर, याम्हा, केटीएम, सुजुकी आदि दोपहिया वाहन में फर्राटे भर रहे थे। 26 जनवरी को यातायात कायाबांधा थाना प्रभारी नवल किशोर कश्यप ने मंदिर हसौद और राखी पुलिस थाना प्रभारी के साथ नवा रायपुर की सड़कों पर विशेष अभियान चलाकर स्टंटबाज बाइकर्सों की घेराबंदी की। नवा रायपुर के सीबीडी बिल्डिंग के आसपास देर शाम तक 16 स्टंटबाज बाइकर्स को तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पकड़ा। एएसपी सचिंद्र चौबे ने बताया कि स्टंटबाज बाइकर्स असुरक्षित रूप से वाहन चलाकर लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहे थे तथा उनके पास वाहन के कागजात भी नहीं थे तथा कुछ बाइकों में तो नंबर भी नहीं थे। इन स्टंटबाजों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

एक हजार से अधिक लोगों ने धीरेंद्र शास्त्री की कथा में किया घर वापसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का मामला थमने का नाम ही नहीं लेगा रहा है। इस बार बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के सामने अपने धर्म को छोड़कर दूसरा धर्म अपने वाले 500 परिवारों के एक हजार से अधिक लोगों ने वापस घर वापसी की। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कुछ परिवारों के सदस्यों को गले गलाकर उनका हालचाल जाना। भाजपा नेता व धर्मांतरित लोगों की घर वापसी के अभियान में लगे प्रबल प्रताप सिंह जूदेव अपनी धर्मपत्नी व समाजसेवी बसंत अग्रवाल ने इन परिवारों का पैर धोकर घर वापसी करवाया। ऐसे परिवार थे जो थोड़ी लालच या बहकावें आकर दूसरे धर्म में चले गए थे। प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि जब तक वे जीवित रहेंगे लोगो को धर्मांतरण करने से रोकते रहेंगे। ये जो परिवार है जिसमें रायगढ़, सरगुजा, जशपुर, कोरबा, धमतरी, सक्ती है जिसमें अहिवार, साहू परिवार के साथ दो परिवार मुस्लिम समाज से है जिनकी आज घर वापसी हुई जिनमें सोनिया सेफ, पल्की सेफ एवं मोहम्मद अकबर शामिल है। इस दौरान उनका कहना था कि सनातन धर्म से बड़ा और कोई धर्म हो ही नहीं सकता। घर वापसी कर रहे 21 घर परिवारों ने धीरेंद्र शास्त्री महाराज का आरती उतारा।

सफाई में विलंब सुपरवाइजर निलंबित, ठेकेदार पर 10 हजार रुपए का जुर्माना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा अनुरूप नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव द्वारा नागरिकों तक सफाई व बुनियादी सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने दिए गए निर्देशों के अनुरूप नगर निगम रायपुर अपनी सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में जुटा हुआ है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने नगर निगम आयुक्त ने कई वार्ड का औचक निरीक्षण किया। कचना मुख्य मार्ग की सफाई विलंब पाते हुए उन्होंने जोन के सफाई सुपरवाइजर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, एवं जोन कमिश्नरों से कहा है कि चेतावनी के बाद भी लापरवाही बरतने वालों के सफाई ठेके निरस्त कर दें तथा नागरिक सुविधाओं में कमी पाए जाने पर तत्काल कार्यवाही करें। वार्ड क्र. 8 के अनुबंधित सफाई ठेकेदार नंद गोपाल पर पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 8 में गंदगी पाए जाने एवं निर्धारित संख्या से कम सफाई कामगार पाये जाने पर भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए जोन-09 कमिश्नर द्वारा 10 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। भ्रमण के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री राजेश शर्मा, जोन कमिश्नर श्री संतोष पांडेय, श्री विमल शर्मा, हेल्थ ऑफिसर श्री ए.के. हलदार सहित राजस्व अधिकारी एवं निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी साथ थे।

युवा उद्यमिता के लिए आवश्यक है स्वदेशी मेला: शर्मा

रायपुर।भारतवर्ष विश्व में सर्वाधिक युवाओं की आबादी वाला देश है। युवाओं को उद्यमशीलता से जोड़कर उनकी प्रतिभा व क्षमता को राष्ट्रीय विकास के स्तर को शिखर पर स्थापित किया जा सकता है। यह बातें उप मुख्यमंत्री छ.ग.शासन विजय शर्मा ने स्वदेशी मेला के मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा। उन्होंने कहा कि आज सुरक्षा उपकरणों में तकनीकी दक्षता, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने अविस्मरणीय प्रगति की है। आज छत्तीसगढ़ नक्सली गतिविधियों के

लिए बल्कि सभ्यता, संस्कृति की धरोहर और विशिष्ट कला के लिए पहचाना जाता है। छत्तीसगढ़ बहुत तेजी से भारत के नक्शे पर अपनी प्रगति के बल पर उभरा है। स्वदेशी मेला में संध्याकालीन समारोह के विशिष्ट अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि स्थानीय संस्थानों के माध्यम से नवीन प्रशिक्षण प्राप्त करके स्टार्ट अप कंपनियों के माध्यम से उद्यमिता को नया स्थान मिला है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व संगठन महामंत्री भाजपा रामप्रताप सिंह ने कहा कि स्थानीय मंच का प्रतीक स्वदेशी मेला लोकजीवन से जुड़ी कई अनूठी औषधियों, वन उत्पादों, मिलेट्स आदि के जरिए उनको मुख्य धारा से जोड़ने और उनके प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित 7 दिवसीय मेला लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में उमड़ती भीड़ लोककला संस्कृति से सजे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं साथ ही मनोहारी प्रस्तुतियों का मुग्ध होकर देर रात तक लुत्फ उठाते रहे। संध्याकालीन सांस्कृतिक समारोह में रंग सरोवर मंच के भूपेंद्र साहु, पांडुका द्वारा लोकमाटी की खुशबू स्वरलहरियों की मधुर तरंगों के माध्यम से बिखेरी गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संवरेगा बच्चों का भविष्य: परदेशी

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षकों को नए पाठ्यक्रमों के लिए तैयार करने और नई शिक्षा नीति के प्रावधानों को लागू करने में एससीईआरटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री परदेशी कल एससीईआरटी कार्यालय में ध्वजारोहण के बाद अधिकारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा सचिव श्री परदेशी ने कहा कि हम सबको टीम वर्क के जरिए कार्य करते हुए नई शिक्षा नीति के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना है। यह पाठ्यक्रम आने वाले कई वर्षों तक बच्चों के भविष्य निर्धारित करेगा। पाठ्यक्रम तैयार करते समय यह ध्यान रखने की जरूरत है कि यह न केवल यह बच्चों का भविष्य तैयार करेगा, बल्कि देश का भविष्य भी बनाएगा। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में भी मदद करेगा।

श्री परदेशी ने कहा कि सभी शिक्षकों का दायित्व है कि हम भावी पीढ़ी को अच्छा नागरिक बनाने के लिए अच्छी से अच्छी शिक्षा दें और इसके लिए बच्चों में अनुशासन और उन्हें संस्कारवान बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में बड़े से बड़े और छोटे से छोटे व्यक्ति की इच्छा होती है कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिले और आगे चलकर वह परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम को समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालक श्री संजीव कुमार झा एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक श्री जयप्रकाश रथ व समग्र के अतिरिक्त मिशन संचालक श्री के. सी. काबरा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन स्टेट मीडिया सेंटर के नोडल अधिकारी प्रशांत पांडेय ने व आभार प्रदर्शन उप संचालक प्रोफसर पुष्पा किस्पोट्टा ने किया। इस अवसर पर बीएड कॉलेज के शिक्षक, छात्र सहित स्कूल शिक्षा विभाग के विभिन्न निकायों के अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.